राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,03सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –218 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन में 1962 जैसे हालात ! अपनी कमजोरी छुपाने के लिए लद्दाख मुद्दा भड़का रहा ड्रेगन

बीजिंग।

भारत और चीन के बीच सीमाओं को लेकर एक बार फिर तनाव का माहौल है। पूरी दुनिया जहां कोरोना महामारी से निपटने के प्रयास कर रही है वहीं चीन भारत के खिलाफ साजिशें रचने में लगा हुआ है। चीन का ईरादा नेपाल, पाकिस्तान की तरह भारत की जमीन हड़पने का भी है लेकिन हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी है । चीन की महत्वकांक्षाओं के चलते इसकी दुनिया के कई देशों से ठन चुकी है। दरअसल घरेलू स्तर पर औद्योगिक और खाद्य संकट से बुरी तरह घिरा हुआ चीन दुनिया का ध्यान अपने पर से हटाने के लिए जानबूझ कर लद्दाख मुद्दे को हवा दे रहा है । वह अपनी कमजोरी को आक्रामकता से ढकने की कोशिश में जुटा है। चीन के आक्रामक रवैये के कारण ड्रेगन के अपने पड़ोसी देशों भारत के अलावा तीन महत्वपूर्ण खाद्य आपूर्तिकर्ताओं अमेरिका के अलावा आस्ट्रेलिया व कनाडा के साथ संबंधों में खटास आ चुकी है। यही वजह है कि बीजिंग को गंभीर खाद्य संकट से गुजरना पड़ रहा है।

चीन से तनातनी को लेकर कुछ वक्त पहले ही भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि 1962 के बाद यह सबसे गंभीर स्थिति है। 1962 की स्थिति से तुलना करें तो उस समय भी ऐसी ही परिस्थितियां बनी थीं, जब चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। यह बात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा चलाए जा रहे दो कार्यक्रमों से स्पष्ट हो जाती है। 1962 में चीन के नेता माओत्से तुंग को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रेट लीप फॉरवर्ड कार्यक्रम का विरोध करने वाले कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं पर माओ ने शिकंजा कसा। उस वक्त माओ ने भारत को एक आसान लक्ष्य समझा। आज भी चीन समान परिस्थितियों से गुजर रहा है जहां खाद्य और औद्योगिक संकट उसके सामने हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीते कुछ सप्ताह में दो अभियान शुरू किए हैं, जिनमें एक घरेलू खपत बढ़ाने से जुड़ा है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी के नेतृत्व को बताया त्रासदी, कहा- सरकार ने देश कर दिया बर्बाद

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर देश के हालातों को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश को बर्बाद कर दिया है और उसकी गलत नीतियों के करण हम हर मोर्चे पर कमजोर साबित हो रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बुधवार को ट्वीट कर लिखा कि कि देश आज मोदी निर्मित तबाही की चपेट में है। देश में आज जीडीपी -23.9 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट है। आज 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है।

बारह करोड़ नौकरियां चली गयी। राज्यों को उनके हिस्से के जीएसटी का बकाया नहीं दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने ताज़ा घटनाओं को लेकर भी सरकार पर हमला किया और कहा कि हमारे यहां आज दुनिया में सबसे

ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित हो रहे हैं और सबसे ज्यादा लोग मर रहे हैं। हमारी सीमा पर बाहरी ताकतें आक्रामक बनी हुई हैं।

इन नए नियमों के अंतर्गत 7 सितंबर से चलेगी दिल्ली मेट्रो, केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि देशभर में सात सितंबर से चरणबद्ध तरीके से मेट्रो सेवाएं फिर शुरू हो जाएंगी। इस दौरान लोगों को कोविड-19 से बचाव के लिये दूरी बनाए रखने और मास्क पहनने जैसे नियमों का पालन करना होगा। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री पुरी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 12 सितंबर से मेट्रो का सामान्य संचालन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 निरुद्ध क्षेत्रों में स्थित मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे। मंत्रालय के अनुसार जिन स्टेशनों पर लोग शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करते नहीं पाए गए, वहां ट्रेनें नहीं रुकेंगी। पुरी ने कहा कि मेट्रो में यात्रा करते समय मास्क पहनना अनिवार्य होगा। यात्री स्टेशनों पर भी मास्क खरीद सकते हैं। क मंत्रालय के अनुसार जिन स्टेशनों पर लोग शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करते नहीं पाए गए, वहां ट्रेनें नहीं रुकेंगी। पुरी ने कहा कि मेट्रो में यात्रा करते समय मास्क पहनना अनिवार्य होगा। यात्री स्टेशनों पर भी मास्क खरीद सकते हैं। कमंत्रालय के अनुसार जिन स्टेशनों पर लोग शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करते नहीं पाए गए, वहां ट्रेनें नहीं रुकेंगी। पुरी ने कहा कि मेट्रो में यात्रा करते समय मास्क पहनना अनिवार्य होगा। यात्री स्टेशनों पर भी मास्क खरीद सकते हैं। कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिये मार्च के अंत में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू होने के बाद से मेट्रो सेवाएं बंद हैं। दिल्ली में 22 मार्च से मेट्रो सेवाएं निलंबित हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) प्रमुख मंगू सिंह ने कहा कि समयपुर बादली से हुड्डा सिटी सेंटर के बीच चलने वाली येलो लाइन मेट्रो सात सितंबर से शुरू हो जाएगी जबकि एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो सेवाएं 12 सितंबर से शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में दिल्ली मेट्रो सेवाएं दो पालियों सुबह 7 से 11 तक और दोपहर बाद 4 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होंगी। दूसरे चरण में ट्रेनें सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच और शाम चार बजे से रात 10 बजे के बीच उपलब्ध रहेंगी। 12 सितंबर से सामान्य संचालन शुरू हो जाएगा। दिल्ली में 22 मार्च से मेट्रो सेवाएं निलंबित हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) प्रमुख मंगू सिंह ने कहा कि समयपुर बादली से हुड्डा सिटी सेंटर के बीच चलने वाली येलो लाइन मेट्रो सात सितंबर से शुरू हो जाएगी जबकि एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो सेवाएं 12 सितंबर से शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में दिल्ली मेट्रो सेवाएं दो पालियों सुबह 7 से 11 तक और दोपहर बाद 4 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होंगी। दूसरे चरण में ट्रेनें सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच और शाम चार बजे से रात 10 बजे के बीच उपलब्ध रहेंगी। 12 सितंबर से सामान्य संचालन शुरू हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

'फूट डालो राज करो की नीति से पहले भी जीते, अब भी जीतेंगः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी का नाम लिए बिना उसे विभाजनकारी ताकत बताया और कहा कि ऐसी ताकतों से कांग्रेस पहले भी जीती है और वर्तमान परिवेश में भी इन ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देगी। गांधी ने बुधवार को 'धरोहर नाम से एक और वीडियो जारी किया जिसमें कहा गया है कि बंगाल विभाजन से लेकर देश को आजादी मिलने तक अंग्रेजों ने बराबर विभाजनकारी नीति अपनायी और सद्भाव बिगाड़कर शासन किया लेकिन देश जल्द ही उनकी नीति को समझ गया इसलिए कांग्रेस के नेतृत्व में देश की जनता ने उनकी इस नीति को हराया था। अंग्रेजों की इसी नीति पर चलते हुए आज भी देश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन कांगेस अब भी इस विघटनकारी नीति पर जीत हासिल करेगी। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया ''फूट डालो और राज करो एक घिनौनी नीति थी और हमेशा रहेगी। ऐसी सोच को देश ने पहले भी पराजित किया था और आज भी करेगा क्योंकि भाईचारा और सद्भावना हमारे लोकतंत्र की नीव हैं। उन्होंने अपने ट्वीटर एकाउंट पर जो वीडियो पोस्ट किया है उसमें कहा गया है कि अंग्रेजों ने हिंदू तथा मुसलमानों के बीच फूट डाली और बंगाल का विभाजन कर बहुत बड़ी सफलता हासिल की थी लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व में देशवासी अंग्रेजों की'फूट डालो और राज करो की नीति को समझ गये थे इसलिए पूरा देश उनके खिलाफ एकजुट हुआ और इस नीति पर जीत हासिल की गयी। उनका कहना था कि मौजूदा समय भी देश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश चल रही है और कांग्रेस ऐसा माहौल तैयार करने वाली ताकतों को हरा देगी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत कोरोना पॉजिटिव, बोले- मेरे संपर्क में आए लोग सावधानी बरतें

नेशनल डेस्क। गोवा में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के रिकॉर्ड नए मामले चिंता बढ़ा रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत भी इस महामारी की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने खुद ट्वीट कर अपनी कोरोना रिपोर्ट के पॉजिटिव आने की सूचना दी है। प्रमोद सांवत ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि मैं आप लोगों को सूचित करना चाहता हूं कि मैं कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया हूं। मैं गैर लक्षणी कोरोना संक्रमण से ग्रसित हूं, इसलिए मैंने होम आइसोलेशन में रहने का फैसला लिया है। उन्होंने लिखा कि मैं अपने सारे आधिकारिक कार्य घर से ही करता रहूंगा। जो लोग भी मेरे संपर्क में आए हैं उनको मेरी सलाह है कि वे सभी जरूरी एहतियात बरतें। बता दें कि गोवा में अब तक कोरोना वायरस महामारी के 18,006 मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें से 194 लोग अपनी जान गवा चुके हैं। जिसमें से 194 लोग अपनी जान गवा चुके हैं। मंगलवार को कोविड-19 संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 588 एक दिन में सर्वाधिक 588 नये मरीज सामने आने से राज्य में स्थिति चिंताजनक हो गई है।

पीएम केयर्स फंड पर फिर सवालः

कोरोना राहत से जुड़े कामों के लिए फंड में 5 दिन में 3076 करोड़ आए, चिदंबरम ने पूछा- सरकार दान देने वालों के नाम क्यों नहीं बता रही?

नई दिल्ली।

कोरोना राहत से जुड़े कामों के लिए बनाए गए पीएम केयर्स फंड में 5 दिन में 3076 करोड़ रुपए आए। फंड 27 मार्च को बनाया गया और 31 मार्च तक इसमें सबसे ज्यादा पैसे आए। फंड में आए 3076 करोड़ रुपए में से 3075.85 करोड़ रु. देश के लोगों ने दिए। विदेशों से इसमें 39.67 लाख रुपए आए। केंद्र सरकार की ओर से जारी ऑडिट रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। 2.25 लाख रु. से शुरु हुए इस फंड को अब तक ब्याज के रूप पर 35 लाख रु. भी मिले हैं। फाइनेंशिल ईयर 2020 के इस स्टेटमेंट को फंड की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। हालांकि, स्टेटमेंट में नोट 1 से लेकर 6 तक की जानकारी नहीं दी गई है। इस पर पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सवाल उठाए हैं। पी चिदंबरम ने ट्वीट किया- पीएम केयर्स फंड के ऑडिटर्स ने ये तो बता दिया फंड में कितने पैसे आए, लेकिन इसमें किसने दान दिया है, उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया। क्यों? सभी एनजीओ और ट्रस्ट को अपने डोनर्स और उनकी ओर से दी गई रकम बताना जरूरी है। पीएम केयर्स फंड को आखिर इससे क्यों छूट दी गई है? सरकार ने 28 मार्च को पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तौर पर यह फंड बनाया था। इसका मकसद कोरोना जैसी इमरजेंसी से निपटने का इंतजाम करना था। कोरोना काल में कॉरपोरेट से लेकर इंडिविजुअल तक ने इस फंड में डोनेशन दिया। सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) एनजीओ पीएम केयर्स फंड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में में पिटीशन लगाई थी। सीपीआईएल का कहना था, 'पीएम केयर्स फंड बनाकर सरकार ने आपदा प्रबंधन कानून की अनदेखी की है। पीएम केयर्स फंड में जो भी रकम मिली है, उसे एनडीआरएफ में ही ट्रांसफर किया जाए।' हालांकि, जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने कहा, 'पीएम केयर्स फंड का पैसा एनडीआरएफ में ट्रांसफर करने का आदेश नहीं दे सकते। ये दोनों अलग-अलग फंड हैं। कोई व्यक्ति एनडीआरएफ में कॉन्ट्रीब्यूशन देना चाहे तो

उस पर पाबंदी नहीं है। नई आपदा राहत योजना की भी जरूरत नहीं है।'

भाजपा फेसबुक मामलाः तृणमूल ने जुकरबर्ग को लिखा पत्र

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के समक्ष भाजपा के प्रति कथित झुकाव का मामला उठाते हुए दावा किया कि इस मामले में सार्वजनिक तौर पर कई सबूत मौजूद हैं। पार्टी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने जुकरबर्ग को लिखे पत्र में उनके साथ पहले की मुलाकात का जिक्र भी किया, जिसमें इनमें से कुछ मामलों को उठाया गया था। इस पत्र की एक प्रति च्पीटीआई-भाषा के पास उपलब्ध है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि ओ ब्रायन ने जुकरबर्गे से अक्टूबर 2015 में मुलाकात की थी। ओ ब्रायन ने कहा, भारत की दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) को भारत के 2014 और 2019 चुनाव में फेसबुक की भूमिका को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने लिखा, भारत के राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव होने में करीब कुछ ही महीने पहले, आपकी कम्पनी के हाल ही में बंगाल में फेसबुक पेज और अकाउंट्स को ब्लॉक करना भी फेसबुक और भाजपा के बीच संबंध की ओर इशारा करता है। फेसबुक के वरिष्ठ प्रबंधन के आंतरिक ज्ञापन सहित सार्वजनिक तौर पर कई ऐसे सबूत मौजूद हैं, जो पक्षपात साबित करने को काफी हैं। फेसबुक के वरिष्ठ प्रबंधन के आंतरिक ज्ञापन सहित सार्वजनिक तौर पर कई ऐसे सबूत मौजूद हैं, जो पक्षपात साबित करने को काफी हैं।

ममता बनर्जी की नई पहल, लोगों की सेवा कर रहे पुलिस कर्मियों के सम्मान में लिखा एक गीत

नेशनल डेस्क।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों की सेवा कर रहे पुलिस बल और उसके कर्मियों की प्रशंसा में एक गीत लिखा है। राज्य की सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों की राज्यमंत्री इंद्राणी सेन ने यह गीत गाया है। मुख्यमंत्री से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि राज्य में एक सितंबर को मनाए जाने वाले पुलिस दिवस को ध्यान में रखते हुए ममता ने आपको नमन, पुलिस दिवस, आपको नमन गीत लिखा। पश्चिम बंगाल में एक सितंबर को पुलिस दिवस मनाया जाना था लेकिन पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन के बाद राज्यव्यापी अवकाश के चलते कार्यक्रम को आठ सितंबर तक स्थगित कर दिया गया। यह गीत अंग्रेजी में शुरू होता है और फिर बंगाली में चलता रहता है। और फिर बंगाली में चलता रहता है।

इसमें पुलिस बल की जिम्मेदारियों और कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने किस तरह लोगों की सेवा की है, इसका उल्लेख किया गया है।

दोनों सदन अलग-अलग समय पर चलेंगे, प्रश्नकाल भी नहीं होगा; विपक्ष का आरोप- लोकतंत्र की हत्या के लिए महामारी का बहाना बनाया

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में कोरोना की वजह से प्रश्नकाल नहीं होगा। प्राइवेट मेंबर (सांसद) बिल पेश नहीं कर सकेंगे। राज्यसभा सचिवालय ने बुधवार को यह नोटिफिकेशन जारी किया। सरकार के इस फैसले का विपक्षी सांसद विरोध कर रहे हैं। संसद के अंतिम बजट सत्र को कोरोना की वजह से बीच में ही रोकना पड़ा था। नियमों के मुताबिक, पिछले सत्र से 6 महीने के अंदर अगला सत्र बुलाना जरूरी होता है। मानसून सत्र 14 सितंबर से बुलाने के लिए पिछले दिनों लोकसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी किया था। पहले दिन यानी 14 सितंबर को लोकसभा सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक और राज्यसभा शाम 3 बजे से 7 बजे तक चलेगी। फिर 15 सितंबर से 1 अक्टूबर तक राज्यसभा सुबह के समय और लोकसभा शाम के वक्त चलेगी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट कर कहा, मैंने चार महीने पहले ही कह दिया था कि लोकतंत्र और विरोध के सुरों को दबाने के लिए महामारी का बहाना बनाया जाएगा। देरी से शुरू हो रहे सत्र के लिए बड़े आराम से कह दिया कि प्रश्नकाल नहीं होगा। हमें सुरक्षित रखने के नाम पर इसे जस्टिफाई कैसे कर सकते हैं? थरूर ने अगले ट्वीट में कहा, सरकार से सवाल करना संसदीय लोकतंत्र के लिए ऑक्सीजन जैसा होता है। यह सरकार संसद को सिर्फ नोटिस बोर्ड तक समेटना और बहुमत को रबर स्टांप की तरह इस्तेमाल करना चाहती है, ताकि जो चाहे करवा सके। सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, प्रश्नकाल के लिए सांसदों को 15 दिन पहले सवाल बताने पड़ते हैं। सेशन 14 सितंबर से शुरू हो रहा है, तो क्या इसलिए प्रश्नकाल रद्द हो गया? विपक्षी सांसदों के पास अब सरकार से सवाल करने का अधिकार नहीं रहा। 1950 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। संसद के कामकाज के घंटे उतने ही हैं, तो फिर प्रश्नकाल क्यों रद्द किया? लोकतंत्र की हत्या के लिए महामारी का बहाना बनाया जा रहा है। तो फिर प्रश्नकाल क्यों रद्द किया? लोकतंत्र की हत्या के लिए महामारी का बहाना बनाया जा रहा है।

मोदी 26 सितंबर को करेंगे युएन महासभा को संबोधित

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर सकते हैं। उच्च स्तरीय बैठक के लिए वैश्विक निकाय द्वारा जारी की गई वक्ताओं की तत्कालिक सूची में यह जानकारी सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र के 75 साल के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि इस साल वार्षिक महासभा का सत्र ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हो रहा है और देशों एवं सरकारों के प्रमुख कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की वजह से शारीरिक तौर पर इस सभा में नहीं जुट पाएंगे। वैश्विक नेता सत्र के लिए पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो वक्तव्यों को सौंपेंगे। संयुक्त राष्ट्र में महासभा एवं सम्मेलन प्रबंधन विभाग ने सभा के 75वें सत्र की आम चर्चा के लिए मंगलवार को वक्ताओं की तत्कालिक सूची स्थायी मिशनों को जारी की। सूची के मुताबिक, मोदी 26 सितंबर की सुबह आम चर्चा को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना होगा कि सूची तत्कालिक है और दो और पुनरावृत्तियां होंगी क्योंकि अगले कुछ हफ्तों में आम चर्चा के लिए कार्यक्रम एवं वक्ता बदले जा सकते हैं। आम बहस के लिए अंतिम वक्तव्य क्रम अलग हो सकता है। आम चर्चा 22 सितंबर को शुरू होकर 29 सितंबर तक चलेगी। सूची के मुताबिक ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो पहले वक्ता हैं। पारंपरिक रूप से अमेरिका आम बहस के पहले दिन दूसरा वक्ता होता है और ऐसी उम्मीद है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पद पर रहते हुए अपना अंतिम संबोधन व्यक्तिगत रूप से देने के लिए न्यूयॉर्क जा सकते हैं। तत्कालिक सूची के मुताबिक, तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों पहले दिन की डिजिटल चर्चा को संबोधित करेंगे। अमेरिका संयुक्त राष्ट्र का मेजबान देश है और इस साल ट्रंप एकमात्र वैश्विक नेता होंगे ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बदला सुर या नई चाल

शनिवार-रविवार की देर रात पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के करीब चीनी दुस्साहस को भारतीय सैनिकों द्वारा नाकाम किए जाने और रणनीतिक रूप से अहम एक चोटी पर कब्जे के बाद बीजिंग के सुर बदल गए हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि दोनों देशों को अपने मतभेदों को काबू में करने की जरूरत है और इसके लिए वह बातचीत करना चाहते हैं। लेकिन चीन पर कैसे भरोसा किया जाए और क्यों न माना जाए कि यह पेशकश भी उसकी किसी योजना का हिस्सा है? हालिया घटनाक्रमों ने चीन से लगी पूरी सीमा पर अतिरिक्त सावधानी को अनिवार्य बना दिया है। 15 जून को गलवान घाटी में जो कुछ हुआ था, उसके बाद भी भारत ने धैर्य और परिपक्वता का परिचय देते हुए बातचीत से विवाद को सुलझाने का रास्ता चुना। पिछले ढाई महीनों में दोनों देशों के बीच सरहद पर कई दौर की सैन्य वार्ताएं हुईं व कूटनीतिक प्रयास भी हुए। मगर ताजा झड़प और सीमा पर उसकी सैन्य सक्रियता बताती हैं कि गलवान की वारदात भी किसी आकस्मिक आक्रोश की परिणति नहीं थी, बल्कि बीजिंग एक सुनियोजित योजना पर काम कर रहा है।

दरअसल, वैश्विक बाजारों में चीन इस समय विश्वसनीयता के भारी संकट से जूझ रहा है। खासकर कोरोना के इस दौर ने संसार भर के देशों को उसके प्रति सशंकित कर दिया है। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई बड़े देशों ने उसकी कंपनियों के खिलाफ कठोर फैसले किए हैं, तो वहीं अनेक देशों की कंपनियां चीन से अपने कारोबार समेट रही हैं या फिर उन्होंने अपनी आगामी निवेश योजनाओं को टाल दिया है। ऐसे में, अपने विशाल बाजार और सक्षम युवा श्रम शक्ति के कारण भारत स्वाभाविक रूप से चीन का एक बेहतर विकल्प है। बीजिंग इस्लामाबाद के साथ मिलकर इस खित्ते में तनावपूर्ण माहौल इसलिए भी खड़ा करना चाहता है, ताकि भारत की आर्थिक संभावनाओं को वह प्रभावित कर सके। पाकिस्तान के जरिए 'ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन' में कश्मीर पर भारत को घेरने की उसकी कोशिश जब बुरी तरह विफल हो गई, तब उसने तिब्बत में नई सक्रियता दिखाई और उसे 'आधुनिक समाजवादी तिब्बत' बनाने का एलान किया। और फिर पूर्वी लद्दाख में एक नई हिमाकत!

दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही कोरोना महामारी की चपेट में है। ऐसी सूरत में किसी जंग की ओर ले जाने वाली कोई भी हरकत पूरी मानवता के प्रति एक गंभीर अपराध है। मगर बीजिंग ने कब इसकी परवाह की? इसलिए भारत को उसके छलावों को समझते हुए हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा। आक्रामकता के बाद अपने भौगोलिक विस्तार को बातचीत के जरिए मान्यता दिलाने की उसकी पुरानी रणनीति रही है। और इस बात से सभी पड़ोसी देश वाकिफ हैं। पर बीजिंग को अब इस मुगालते में कतई नहीं रहना चाहिए कि भारत उसके किसी दबाव में आ जाएगा। निस्संदेह, अंतिम-अंतिम क्षण तक टकराव को टाला जाना चाहिए, क्योंकि अंततः इसका नुकसान दोनों पक्षों को होता है। लेकिन गलवान घाटी में भारी नुकसान उठा चुके चीन को यह स्वीकार करना ही होगा कि भारत अपनी भौगोलिक स्थिति से कोई समझौता नहीं करेगा और अब सीमा विवाद को अंतिम रूप से हल करने की गंभीरता उसे दिखानी होगी।

चीन की चालबाजी

एक बार फिर चीन की नापाक हरकत और ढ़िठाई सामने आई है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच एक बार फिर बॉर्डर पर झड़प हुई है। 29 अगस्त को ईस्टर्न लद्दाख क्षेत्र में पैंगोंग झील इलाके के पास दोनों देशों के सैनिक 29-30 अगस्त की रात को आमने-सामने आए। चीनी सेना के जवानों ने यहां पर घुसपैठ की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना के जवानों ने नाकाम कर दिया। हालांकि, चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी कर इस तरह की किसी घुसपैठ से इनकार किया गया है। यानी चीन अपनी बेशर्मी और कायराना हरकत बदस्तूर जारी रखे है। तमाम स्तर की बातचीत और समझ बनाने का उस पर रत्ती भर भी फर्क नहीं पड़ा है। उसकी 'हड़प नीति' और पड़ोसी देशों के साथ लगातार खराब होते संबंधों को अगर संजीदगी से परखें तो ऐसा लगता है, उसकी नीयत में ही खोट है। उसे यह भी समझ में नहीं आया है कि भारत अब 1962 वाला देश नहीं रहा। अगर चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों और कुटिलता का दमन नहीं करेगा तो आने वाले दिनों में उसे कई मोर्चों पर मुंह की खानी पड़ेगी। कुछ अरसा पहले ऑस्ट्रेलिया के गृह राज्य मंत्री ने कहा था कि ऑस्ट्रेलिया दुनिया की समर्थ देशों में से एक है, लेकिन वो अब चीन की दादागिरी से परेशान है। और सिर्फ ऑस्ट्रेलिया और भारत ही नहीं, ताइवान, भूटान, जापान के साथ भी उसके रिश्तों में काफी कसैलापन है। जहां एक तरफ भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा और सीमा पर शांति स्थापित करने की कवायद करता है और बातचीत के जरिये विवाद को सुलझाना चाहता है; इसके उलट चीन भारत की जमीन पर कब्जा करने की गंदी चाल चलने और साजिश रचता रहता है। शायद उसे भारत की ताकत का अंदाजा नहीं है। चीन की चालाकी को देखते हुए ही भारत ने दो दिन पहले दक्षिण चीन सागर में अपने युद्धपोत की तैनाती की। साथ ही भारत-चीन सीमा पर राफेल और अन्य युद्धक विमानों की तैनाती की उसकी योजना है। चीन को इस बात की भी खीज है कि भारत के संबंध लगातार अमेरिका से मजबूत हो रहे हैं। इससे पहले भी भारत और चीन के जवान 15 जून को लद्दाख बॉर्डर के पास ही गलवान घाटी में आमने-सामने आए थे, जहां पर भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। तब भारत ने चीन को माकूल जवाब दिया था। अब वक्त आ गया है उसे उसी की भाषा में जवाब दिया जाए।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

दिल से प्रणाम दादा

चौं रे चंपू! महामहिम प्रणब दादा चले गए। मोय तौ भौत अच्छे लगते, तू बता!

-पूरे भारत को बहुत अच्छे लगते थे। दूर हो, करीब हो, अमीर हो गरीब होग सबको अच्छे लगते थे। वे ऐसे पहले महामहिम राष्ट्रपति थे जिन्होंने राष्ट्रपति भवन में 'महामहिम' संबोधन वतजत कर दिया था। वे ऐसे पहले व्यक्ति थे, जो राजनीति-शास्त्र विधिवत पढ़कर और विद्यातथयों को पढ़ा कर राजनीति में आए थे। वे ऐसे पहले राजनीतिज्ञ थे, जो देश के सारे राजनैतिक दलों से कटुताविहीन सौहार्द-संवाद रखते थे। विरोधियों का भी आदर पाते थे। जन-गण-मन में प्रणब दादा की आस्था और उनकी सर्वतोन्मुखी प्रतिभा प्रणम्य है।

-परधानमंतरी चौं नायं बन पाए?

-अंदर की बात मैं क्या जानूं? प्रधानमंत्री प्रतिभा की सौगात से नहीं, हालात की करामात से बनते हैं। हालांकि लोग तो प्रणब दादा के बारे में कहते हैं कि वे भारत के ऐसे प्रधानमंत्री थे जो कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। संजय गांधी के जाने के बाद, इंदिरा जी दादा को सर्वाधिक महत्त्व देती थीं। इंदिरा जी के जाने पर पूरा देश किंकर्तव्यविमूढ़ था। जो युवा नेता संजय गांधी के काल में राजनीति में आए थे, उन्हें दूसरे संजय गांधी की आवश्यकता थी। आनन-फानन में राजीव जी को प्रधानमंत्री बना दिया गया। राजीव जी ने प्रणव दादा को बंगाल की छोटी जिम्मेदारी देकर, शक्तिविहीन कर दिया।

दादा रूठ गए, लेकिन दो तीन साल बाद वापस मंत्रालयों में बुला लिए गए क्योंकि वे सरकार की हर आपदा के लिए संकटमोचक थे। राजीव जी के जाने के बाद जब सोनिया जी ने यह पद लेने से मना कर दिया तो एक बार फिर उनके बनने की संभावना बनी, लेकिन डॉ. मनमोहन के भाग में छींका टूटा। बहरहाल चचा, हम अज्ञानी क्या जानें! मैं तो यह जानता हूं कि उनका स्पर्श मैंने पाया, पद्म-सम्मान पाया, उनकी मुस्कान पाई, उनका प्यार पाया। आज सब उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। उनके विरु द्ध कोई नकारात्मक भाव देशवासियों के मन में कभी नहीं आया। यही उनकी सबसे बड़ी बात थी कि वो महनीय होते हुए भी महामहिम नहीं होना चाहते थे। गौरवशाली प्रणब दादा को दिल से प्रणाम।

आक्रामक नीति की जरूरत

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

चीन आधुनिक दौर की युद्ध कला का वह माहिर खिलाड़ी है, जो युद्धोन्माद की मनोवैज्ञानिक हिंसा की बदौलत दुनिया को ब्लैकमेल करता रहा है। भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की युद्धोन्माद की कार्रवाइयों का लगातार सामना कर रहा है और इससे दोनों देशों के बीच अविश्वास बढ़ता जा रहा है।

दरअसल, पूर्वी लद्दाख के इलाके में चीन की सेना की घुसपैठ से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच कूटनीतिक स्तर पर शांति बहाली की कोशिशों को लेकर संशय बढ़ गया है। इस साल जून में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद सैन्य और राजनियक स्तर पर इस मामलें को सुलझाने की बात कूटनीतिक स्तर पर लगातार की जा रही है, लेकिन हालिया घटनाक्रम से ऐसा लगता है की चीन से सीमा विवाद सुलझाने के लिए किसी सुदृढ़ रणनीति पर काम करने की जरूरत है। भारत और चीन के बीच साढ़े तीन हजार किलोमीटर से ज्यादा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति की स्थापना के लिए राजनियक और सैन्य स्तर पर बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, जिनमें लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की वार्ता भी शामिल है लेकिन इसके ठोस नतीजे सामने नहीं आए हैं। ऐसा लगता है कि चीन की भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने की मंशा है ही नहीं और वह बातचीत के साथ दबाव की दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है।

चीन की बातचीत की पेशकश उसकी पारम्परिक नीति का ही हिस्सा है, जिसके अंतर्गत प्रतिद्वंद्वी पर सैन्य बढ़त हासिल करके मनौवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली जाए और इसके बाद अपने हितों के अनुसार संतुलन साधने के लिए मजबूर कर दिया जाए। इस नीति को वह पहले भी भारत के खिलाफ आजमाता रहा है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का प्रश्न समय के साथ जटिल होता जा रहा है। आधुनिक चीन उन नक्शों पर अपनी सीमाओं को सुलझाने को प्रतिबद्ध नजर आता है, जिन नक्शों पर इतिहास ने उन्हें छोड़ दिया था। इस काम में आधी शताब्दी से अधिक समय लगा। 21 वीं सदी के पहले दशक के अंत तक चीन ने अपने 12 राष्ट्रीय पड़ोसियों में से 10 के साथ सीमा समझौते पर परस्पर सहमति से बातचीत कर समाधान निकाल लिया, अपवाद थे भारत और भूटान। पिछले कुछ सालों में भारत ने पूर्वोत्तर के क्षेत्रों में विकास के लिए कई कार्य किए हैं और चीन के लिए यह असहनीय है। चीन से सीमा विवाद के चलते और पूर्वोत्तर की सुरक्षा चुनौतियों से जूझते भारत ने अब अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत किया है और रणनीतिक परियोजना के जरिए ब्रह्मपुत्र नदी पर बोगीबिल पुल का निर्माण पूर्ण कर लिया है, जो ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिण तट को अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती धेमाजी जिले में सिलापथार के साथ जोड़ेगा। पूर्वोत्तर में भारत के विकास कार्यों को लेकर चीन दबाव में है, लेकिन भारत के लिए इतना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि अन्य तरीकों से भी चीन पर दबाव डालने की नीति पर काम करने की जरूरत है।

> इस समय भारत आतथक हितों के लिए जापान एवं अन्य दक्षिण एशियाई राष्ट्रों की ओर देखे। इससे चीन पर न केवल हमारी निर्भरता खत्म होगी बल्कि चीन से निपटने के लिए यह बेहतर जवाब भी हो सकता है। वहीं चीन पर दबाव बनाएं रखने के लिए ताइवान से राजनीतिक संबंध स्थापित करने कि घोषणा की जा सकती थी, तिब्बत को लेकर भारत की नीति में परिवर्तन किया जा सकता था, लेकिन भारतीय नीति में ऐसी आक्रामकता का अभाव रहा.

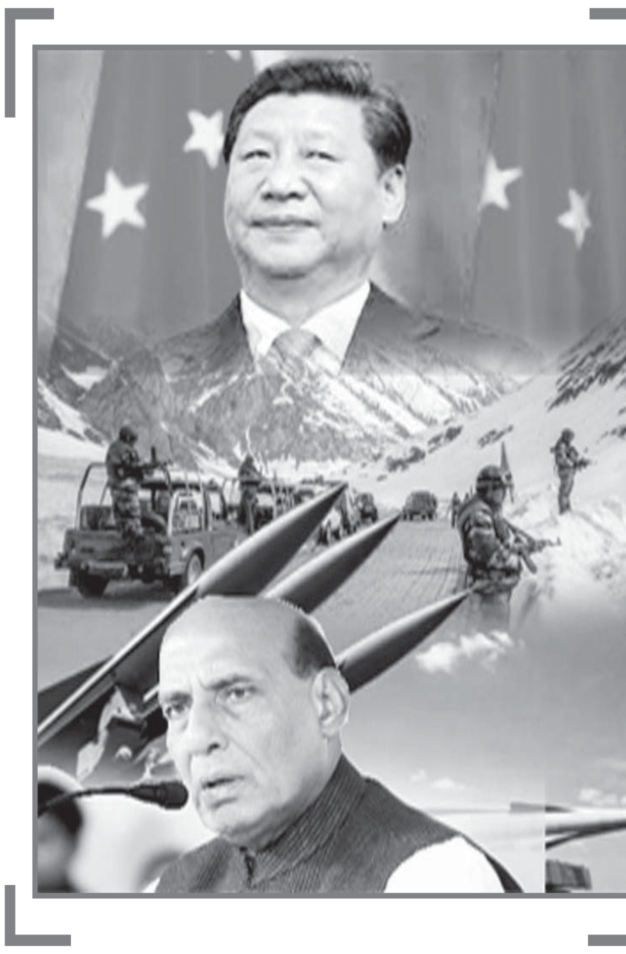

चीनी की भारत विरोधी नीति का यह आलम है कि वीजा विवाद, कश्मीर, पाक प्रायोजित आतंकवाद, सीमा विवाद और एनएसजी में भारत के प्रवेश पर रोड़े अटकाने के बाद भी वह भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और 'विवाद छोड़ो, व्यापार करो' की तर्ज पर उसने भारत के बाजारों पर कब्जा जमा लिया है। यही नहीं सुरक्षा के लिहाज से भी वह पाकिस्तान, श्रीलंका, बर्मा, नेपाल और मालद्वीप में मदद के जाल से भारत को घेर चुका है। इन सबके देखने में यह आया है कि भारत की चीन को लेकर नीति बेहद तटस्थ रही है और यह चीन के लिए मुफीद नजर आती है। मसलन वुहान लैब से निकले कोरोना विषाणु को लेकर यूरोपीय देशों ने चीन कि आलोचना करने से गुरेज नहीं किया वहीं भारत ने इस मामले में मौन साधे रखा, जबकि भारत की मुखरता से चीन बैकफुट पर आ सकता था। पिछले कुछ समय से चीन के विरोध को लेकर दुनिया भर में जो स्थिति बनी है, उसका नेतृत्व करने का भारत ने कभी साहस नहीं दिखाया। चीन के भरोसेमंद साथी और भारत के पड़ोसी म्यांमार पर अमेरिकी असर बढ़ा है। सिंगापुर, फिलिपींस, इंडोनेशिया, थाईलैंड, ब्रुनेई, जापान, आस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की अमेरिका से बढ़ती सैन्य निकटता से चीन दबाव महसूस करता है। भारत ने इन राष्ट्रों से रणनीतिक साझेदारी के साथ ही आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए, जिससे चीन को दबाव में लाने के साथ ही हमारी उसपर निर्भरता कम की जा सके।

इस समय भारत आर्थिक हितों के लिए जापान एवं अन्य दक्षिण एशियाई राष्ट्रों की ओर देखे। इससे चीन पर न केवल हमारी निर्भरता खत्म होगी बल्कि चीन से निपटने के लिए यह बेहतर जवाब भी हो सकता है। वहीं चीन पर दबाव बनाएं रखने के लिए ताइवान से राजनीतिक संबंध स्थापित करने कि घोषणा की जा सकती थी, तिब्बत को लेकर भारत की नीति में परिवर्तन किया जा सकता था, लेकिन भारतीय नीति में ऐसी आक्रामकता का अभाव रहा। इस समय हांगकांग में लोकतांत्रिक आंदोलन को कुचला जा रहा है। अमेरिका और ब्रिटेन चीन का विरोध कर रहे हैं जबकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत से हांगकांग के लोगों के समर्थन में ऐसा कोई आक्रामक बयान सामने नहीं आया है। गलवान में चीन कि दादागिरी के बाद भारत को सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाकर चीन को घेरने का प्रयास करना था, जो भारत ने नहीं किया। जबकि सुरक्षा परिषद के अन्य सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस भारत के इस रुख पर उसे समर्थन दे सकते थे।

तिब्बत को लेकर भी भारत को आक्रामकता के साथ आगे आना चाहिए। चीन से लगती सीमा पर सैन्य जमावड़े पर भारत ने राजनियक विरोध जताया होता तो हिंसक झड़प की आशंका नहीं बनती। यहां तक कि गलवान घाटी में 20 सैनिकों के मारे जाने के बाद देश से चीनी राजदूत को निकलने का निर्णय बेहद आक्रामक और प्रभावी हो सकता था। भारत को यह समझने की जरूरत है कि चीन की आक्रामकता का सामना करते हुए उसके साथ बातचीत की मेज पर बैठने से साम्यवादी ताकतें मजबूत ही होती हैं। भारत की नीतियों में चीन को लेकर कूटनीतिक स्तर पर आक्रामकता, सीमा पर सैन्य दबाव और अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन साधे जाने की आवश्यकता है। जाहिर है चीन से बातचीत की मेज पर जब तक उदार भारत होगा, समस्या बढ़ती जाएगी।

सामाजिक न्याय

विसंगति दूर करने की न्यायिक पहल

अनूप भटनागर

सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में अन्य पिछड़े वर्गों के साथ ही अनुसूचित जाति और जनजातियों में जरूरतमंद तबके तक आरक्षण का लाभ पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। अन्य पिछड़े वर्गों में संपन्न तबके को आरक्षण के दायरे से बाहर निकालने की व्यवस्था है लेकिन अनुसूचित जाति और जनजातियों में भी सबसे अधिक पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया केन्द्र और राज्य सरकारों के सामने बड़ा यक्ष प्रश्न है। इसके बावजूद उम्मीद की जानी चाहिए कि केन्द्र और राज्य सरकारें दलितों में अत्यधिक पिछड़े वर्गों तक बगैर किसी दबाव के आरक्षण का लाभ पहुंचाने में सफल होंगी।

अब सवाल यह है कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों की सूची में निचले स्तर तक आरक्षण का लाभ कैसे पहुंचाया जाये। इन जातियों के निचले स्तर तक आरक्षण का लाभ सिर्फ इन जातियों में उपजातियां या उपश्रेणियां बनाकर ही दिया जा सकता है। शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ का मानना है कि राज्य सरकार को आरक्षण का लाभ प्रदान करने और समान रूप से उसका वितरण करने का अधिकार है तो उसे निचले स्तर तक इसका लाभ सुनिश्चित करने के लिये उपश्रेणियां बनाने का अधिकार क्यों नहीं है। दूसरे शब्दों में संविधान पीठ का मानना था कि आरक्षण का लाभ निचले स्तर तक पहुंचाने के लिये राज्य सरकारें इनकी श्रेणियां बना सकती हैं और ऐसा संविधान के प्रावधानों के खिलाफ नहीं होगा। लेकिन ऐसा करने में एक बड़ी दिक्कत 2004 का पांच सदस्यीय संविधान पीठ का फैसला है, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करने का अधिकार राज्य सरकारों को नहीं है। न्यायालय का स्पष्ट मत रहा है कि इस आरक्षण के लाभ का समान रूप से वितरण करने का निर्णय राज्य सरकार को करना है। राज्य सरकार को यह काम इस तरह करना है कि इसका लाभ अनुसूचित जातियों में सबसे ज्यादा पिछड़े वर्ग को मिल भी जाये और दूसरे इस लाभ से वंचित भी नहीं हों। इस संबंध में न्यायालय का मानना है कि अनुसूचित जातियों, जनजातियों, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों में आरक्षण से लाभान्वित होने वाला तबका अपने लिये पूरा या एक निश्चित प्रतिशत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता। इस तरह के उपाय करके ही इन जातियों में अत्यधिक पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ पहुंचा कर उनका उत्थान किया जा सकता है। चूंकि न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ न्यायालय के 2004 के फैसले से सहमत नहीं थी। उसका विचार था कि इस पहलू पर सात या इससे ज्यादा न्यायाधीशों की पीठ को सारे मसले पर विचार करके सुविचारित फैसला देना चाहिए। चूंकि यह मामला राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील है, इसलिए केन्द्र सरकार और राज्यों में सत्तारूढ़ दलों के लिये इस फैसले ने बड़ी विचित्र स्थिति पैदा कर दी है। केन्द्र सरकार सबसे निचले स्तर तक दलितों को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिये दलितों की जातियों को उपश्रेणी में वर्गीकृत करना चाहती है और उसने इस संबंध में राज्य सरकारों को प्रस्ताव भी भेजे थे।

शीर्ष अदालत के नये फैसले की केन्द्र सरकार समीक्षा कर रही है लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरक्षण का लाभ प्राप्त करने वाला कोई भी वर्ग इसे छोड़ना नहीं चाहता और यही वजह है कि समाज के वंचित वर्गों में अनेक जातियां और उपजातियां आज भी पहले जैसी स्थिति में ही हैं। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि अनुसूचित जातियों में आज भी असमानता की स्थिति है और कई प्रतिवेदनों में यह बात सामने आयी है। इस विषमता को दूर करने के इरादे से कुछ राज्यों ने पिछड़े दलितों के लिये आरक्षण के भीतर आरक्षण की विशेष व्यवस्था की। बिहार में तो 2007 में अनुसूचित जातियों में पिछड़ी जातियों की पहचान के लिये महादलित आयोग का गठन भी किया गया था। न्यायालय का स्पष्ट मत है कि इस सूची के दायरे में ही सरकार उन लोगों को आरक्षण में तर्कसंगत तरीके से प्राथमिकता दे सकती है, जिन्हें उत्थान की आवश्यकता है। न्यायालय की व्यवस्था से एक बात साफ है कि अगर राज्य सरकार सामाजिक परिवर्तन के संवैधानिक लक्ष्य को हासिल करना चाहती है तो उसके लिये समावेशी कदम उठाने पर कोई सांविधानिक अड़चन नहीं है। उच्चतम न्यायालय के ताजा फैसले के आलोक में अब प्रधान न्यायाधीश इस सवाल पर विचार के लिये सात सदस्यीय या इससे बड़ी संविधान पीठ गठित करेंगे। लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि समाज में हो रहे बदलावों पर विचार किये बगैर हम सामाजिक परिवर्तन के संवैधानिक लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकते। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिये राज्यों में सत्तारूढ़ दलों को भी राजनीतिक इच्छा शक्ति का परिचय देना होगा।

मुद्दा

जिम्मेदारियों के गिरते 'पुल'

डॉ. संजय वर्मा

हादसों का जो मूल चरित्र है, उसमें किसी दुर्घटना के पीछे अनायास हुए किसी ऐसे परिवर्तन को देखा जाता है जो अनापेक्षित हो और जिसमें पूर्वानुमान लगाना मुमकिन ना हो। इसके बावजूद हादसों को इस नजर से परखा जाता है कि उसमें किसी लापरवाही, अनदेखी या भ्रष्टाचार की तो कोई भूमिका नहीं है। ऑडिट और जांच-पड़ताल में अक्सर खुलासा होता है कि हादसा ना तो अचानक हुआ और ना ही ऐसा था, जिसका अनुमान लगाना मुश्किल होता। यह पोल भी खुलती है कि हादसे के पीछे संबंधित विभागों की लापरवाही थी और करप्शन इसकी एक बड़ी वजह था।

पुल क्यों गिरे-यह सवाल उठा तो जांच बिठाकर दोषियों को दंडित करने की बातें सरकारें और प्रशासन की ओर से अरसे से की जाती रही हैं, लेकिन पुल गिरने और उसके बाद जांच-सजाओं का इतिहास बताता है कि देश में पुल गिरने से ज्यादा बड़ी त्रासदी जिम्मेदारी, जांच, ऑडिट और सजाओं के चरित्र का गिरना है। चूंकि दोषियों की धरपकड़ और सजाओं के मामले में ज्यादातर काम लीपापोती का होता है, इसलिए पुल, फ्लाईओवर, फुटओवर ब्रिज का गिरना बदस्तूर जारी है। ताजा मामला मध्य प्रदेश का है, जहां सिवनी जिले के सुनवारा गांव में वैनगंगा नदी पर करोड़ों रु पये की लागत से बने पुल ने उद्घाटन से पहले ही जलसमाधि ले ली। तीन करोड़ रु पये के खर्च से बन रहे इस पुल का निर्माण कार्य तय तारीख (30 अगस्त, 2020) से पहले पूरा हो गया, तो ग्रामीणों ने औपचारिक उद्घाटन का इंतजार किए बगैर बड़ी आस के साथ महीना भर पहले ही इसका इस्तेमाल शुरू कर दिया, लेकिन उनकी उम्मीदें राज्य में हो रही जोरदार बारिश में धराशाई हो गई।

हाल के दूसरे मामले देखें तो 16 जुलाई को बिहार के गोपालगंज को चंपारण को जोड़ने वाले चर्चित सत्तरघाट महासेतु के ढहने की खबर आई थी। गंडक नदी पर करीब 264 करोड़ की लागत से बने इस पुल का उद्घाटन इसी साल 16 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों हुआ था, इसलिए खबर आते ही नीतीश सरकार कठघरे में आ गई। हालांकि बाद में दावा किया गया कि सत्तरघाट पुल की बजाय उसे जोड़ने वाले सड़क (अप्रोच रोड) भारी बारिश में बही थी। बारिश के मौसम में पुलों, फ्लाईओवर, फुटओवर ब्रिज का ढहना या बह जाना हमारे देश में ऐसा है कि किसी साल मॉनसून अगर बिना पुल गिराए गुजर जाए, तो लगता है कि बारिश में ही कोई दम नहीं था। ग्रामीण, पहाड़ी, दुर्गम इलाकों में पुल आदि का ढहना जितना आम है, उतना ही आम शहरों में ओवरब्रिज, फुटओवर ब्रिज या फ्लाईओवर का टूटना है। इस मामले में महानगरीय और मजूबत इंफ्रास्ट्रक्चर के बल पर विकास के लिए चर्चा में रहने वाले शहर किसी से पीछे नहीं हैं। सच्चाई यह है कि पुलों के गिरने में हमारे देश में सबसे ज्यादा मुश्किल जवाबदेही तय करते वक्त होती है। यदि एक यही काम अरसा पहले पूरी ईमानदारी से कर लिया गया होता, तो शायद पुलों के इस तरह गिरने की नौबत न आती। दो साल पहले 12 मई, 2018 को पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कैंट से लहरतारा के बीच सड़क पर बन रहे पुल का हिस्सा गिरा तो 18 लोगों की मौत हो गई। मामले की जांच को लेकर एक कमेटी भी बनी थी, लेकिन उसकी जांच रिपोर्ट अब तक लापता है। मध्य प्रदेश में भोपाल रेलवे स्टेशन पर 13 फरवरी 2020 को फुटओवरब्रिज के गिरने से 9 लोग घायल हुए तो रेलवे पर लापरवाही का आरोप लगा कि उसने पुल के जर्जर होने की शिकायतों की अनदेखी की जिससे यह दुर्घटना हुई।

मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन पर 15 मार्च 2019 को फुटओवर ब्रिज गिरा तो 6 लोगों ने जान गंवा दी। इस मामले में मध्य रेलवे और बीएमसी के अफसरों पर लापरवाही के लिए मामला दर्ज हुआ, लेकिन बीएमसी ने ठीकरा उस फर्म पर फोड़कर अपने कर्तव्य की इतिश्री करने की कोशिश की, जिसने ऑडिट में लापरवाही बरती थी। यदि पुराने जर्जर पुलों की मामूली मरम्मत कर हादसे का इंतजार करना एक जघन्य लापरवाही है, तो ऑडिट में कमजोर पुल को अफसरों से मिलीभगत कर दुरुस्त बताना घोर अपराध है। इसी तरह घटिया सामग्री से नया पर कमजोर पुल बनाना ठेकेदारों-इंजीनियरों-अफसरों के बीच जनता के खिलाफ रची गई साजिश है, जिसके अपराधी सिर्फ जेल नहीं, बल्कि मृत्युदंड के हकदार हैं। पर सवाल है कि क्या हमारा समाज और सरकार ऐसी सजाओं की हिमायत कर सकेंगे। जब तक राजनीतिक संरक्षण की प्रवृत्ति और भ्रष्टाचार जीवित हैं, तब तक तो हरगिज नहीं। इसलिए पुलों का ढहना और आम लोगों का गिरते पुलों की चपेट में आकर मर जाना यह ऐसी नियति है, जिसे बदला नहीं जा सकता।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले- भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बुरा दौर खत्म हुआ

बिजनेस डेस्क।

कोरोना से देश की इकोनॉमी को बड़ा धक्का लगा है। मार्च के आखिरी हफ्तों से ही लागू हुए लॉकडाउन का सीधा असर देश की त्ष्ठक्क ग्रोथ पर देखने को मिला है। मौजूदा वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी में 40 साल की सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इस दौरान भारत की जीडीपी 23.9 फीसदी गिर गई। इस दौरान सिर्फ एग्रीकल्चर सेक्टर में ग्रोथ रही है। मुख्य आर्थीक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बुरा दौर गुजर चुका है। अगस्त के दौरान कई सेक्टर्स कारोबार बढ़ने के संकेत मिले है। उन्होंने कहा, इस बात का संकेत है कि स्थिति पहले जैसा होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, इन सभी संकेतों को देखते हुए साफ है कि स्थिति में सुधार हो रहा है और सबसे बुरा दौर गुजर चुका है। मैं ये बात डेटा के हिसाब से कह रहा हूं, ये मेरा ओपिनियन नहीं है। अगस्त 2020 का लेवल पिछले साल अगस्त के बराबर रहा है। कई सेक्टर्स अप्रैल से बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कोयला, तेल, गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली के प्रोडक्शन में तेजी आई है। इनमें अप्रैल में रिकॉर्ड 38.1 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई थी लेकिन अब धीरे-धीरे हालात सुधर रहे हैं। यह मई में -23.4 फीसदी रहा। सुधार की दिशा में यह -15 फीसदी जून में और जुलाई में -12.9 फीसदी पर आ गया। फीसदी पर आ गया। मुख्य आर्थीक सलाहकार ने बताया कि हम एक ऐसी घटना से गुजर रहे हैं जो 150 साल में एक बार घटित हो रही है लेकिन अर्थव्यवस्था में इतने बुरे हालात कोरोनावायरस की वजह से से पैदा हुए है। हालांकि, अब इस स्थिति से उबरने के रास्ते पर है। उन्होंने कहा, ये भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि रिकवरी स्पष्ट रूप से हो रही है।

वर्ष 2021 की पहली तिमाही तक सकारात्मक हो जाएगी आर्थिक वृद्धि दर: ईएसीपीएम

मुंबई । प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसीपीएम) के अंशकालिक सदस्य निलेश शाह ने बुधवार को कहा कि वर्ष 2021 की मार्च या जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि सकारात्मक दायरे में आ जायेगी, लेकिन इस दौरान भारत को सुधारों को आगे बढ़ाते हुये मौजूदा संकट को अवसर में बदलना होगा। शाह ने यह भी कहा कि शेयर बाजारों में तेजी के पीछे का कारण भविष्य को लेकर बंधी बेहतर उम्मीद है, निवेशक पीछे के आंकड़ों पर गौर नहीं कर रहे। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस संकट के बीच देश की जीडीपी में सालाना आधार पर जून 2020 को समाप्त तिमाही में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आयी है। पेशेवरों के नेटवर्किंग मंच लिंक्ड इन के वेबिनार (इंटरनेटके जरिये आयोजित कार्यक्रम) में कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक शाह ने कहा, 'मौजूदा स्तर पर मार्च 2021 या जून 2021 में समाप्त तिमाही में सालाना आधार पर जीडीपी में वृद्धि हासिल होने की उम्मीद है।' उन्होंने संकेत दिया कि कोविड-19 महामारी का जीडीपी पर दो साल तक असर रहेगा लेकिन इस बात पर जोर दिया कि हमें चुनौतीपूर्ण स्थिति का लाभ उठाने की जरूरत है। जैसा कि हमने 1991 में विदेशी मुद्रा संकट के दौरान किया और उन कदमों से वृद्धि को एक नई गति मिली।

हैप्पीएस्ट माइंड्स का आईपीओ सात सितंबर को खुलेगा, बोली का दायरा 165-166 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नालॉजीज ने बुधवार को कहा कि वह अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सात सितंबर को पेश करेगी, जिससे 702 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। हैप्पीएस्ट माइंड्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने आईपीओ के लिए बोली का दायरा 165 रुपये से 166 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया है। निर्गम बोली के लिए सात सितंबर से नौ सितंबर के बीच खुला रहेगा। इस पेशकश के जरिए कंपनी के 110 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 3.56 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। कंपनी के प्रवर्तक अशोक सूता 8,414,223 इक्विटी शेयर की पेशकश करेंगे। आईपीओ के लिए 90 इक्विटी शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य दो रुपये है। बेंगलुरु स्थित कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। आईपीओ के लिए 90 इक्विटी शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य दो रुपये है। बेंगलुरु स्थित कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

कमजोर मांग से धनिया वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को धनिया की कीमत 44 रुपये की हानि के साथ 6,848 प्रति क्विन्टल रह गयी। एनसीडीईएक्स में धनिया के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 44 रुपये अथवा 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,848 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 2,610 लॉट के लिए कारोबार हुआ। धनिया के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 54 रुपये अथवा 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,920 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 2,720 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्य रूप से यहां धनिया वायदा कीमतों की गिरावट आई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्य रूप से यहां धनिया वायदा कीमतों की गिरावट आई।

हैप्पीएस्ट माइंड्स का आईपीओ सात सितंबर को खुलेगा, बोली का दायरा 165-166 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नालॉजीज ने बुधवार को कहा कि वह अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सात सितंबर को पेश करेगी, जिससे 702 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। हैप्पीएस्ट माइंड्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने आईपीओ के लिए बोली का दायरा 165 रुपये से 166 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया है। निर्गम बोली के लिए सात सितंबर से नौ सितंबर के बीच खुला रहेगा। इस पेशकश के जरिए कंपनी के 110 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि ×.56 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। कंपनी के प्रवर्तक अशोक सूता 8,414,22× इक्विटी शेयर की पेशकश करेंगे। आईपीओ के लिए 90 इक्विटी शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य दो रुपये है। 90 इक्विटी शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य दो रुपये है। बेंगलुरु स्थित कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

अगस्त में कोल इंडिया का उत्पादन 7.1 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। कोल इंडिया ने मंगलवार को कहा कि अगस्त में उसका कोयले का उत्पादन 7.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तीन करोड़ 71.7 लाख टन हो गया। एक बयान में, कंपनी ने कहा कि इस दौरान कोयले के उठाव में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष में पहली बार कोल इंडिया ने उत्पादन और उठाव दोनों में वृद्धि दर्ज की है। अगस्त में कोयला उत्पादन 24.7 लाख टन बढ़कर तीन करोड़ 71.7 लाख टन हो गया। यह साल भर पहले की समान अवधि की तुलना में 7.1 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गिरावट थाम ली गयी है और आगे उत्पादन और उठाव की गति को बरकरार रखने का प्रयास रहेगा। उठाव की गति को बरकरार रखने का प्रयास रहेगा। कुल मिलाकर, कोल इंडिया ने पिछले महीने अलग-अलग उपभोग क्षेत्रों में चार करोड़ 43.4 लाख टन कोयले की आपूर्ति की, जो पिछले साल की समान अवधि में चार करोड़ 5.7 लाख टन थी।

लोन मोरेटोरियम पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ब्याज पर ब्याज लेकर ईमानदार कर्जदारों को दंडित नहीं कर सकते

बिजनेस डेस्क।

सुप्रीम कोर्ट कोविड-19 महामारी के बीच लोन मोरेटोरियम अवधि खत्म होने और आगे ब्याज दरों को माफ करने की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि बैंक लोन रिस्ट्रक्चरिंग के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे कोविड-19 महामारी के दौरान किश्तों को स्थगित करने (मोरेटोरियम) की योजना के तहत श्वरूद्ध भुगतान टालने के लिए ब्याज पर ब्याज लेकर ईमानदार कर्जदारों को दंडित नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्थगन अवधि के दौरान स्थगित किस्तों पर ब्याज लेने के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि ब्याज पर ब्याज लेना, कर्जदारों के लिए एक दोहरी मार है। याचिकाकर्ता गजेंद्र शर्मा की वकील राजीव दत्ता ने कहा कि किश्त स्थगन की अवधि के दौरान भी ब्याज लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आरबीआई यह योजना लाया और हमने सोचा कि हम किश्त स्थगन अवधि के बाद ईएमआई भुगतान करेंगे, बाद में हमें बताया गया कि चक्रवृद्धि ब्याज लिया जाएगा। यह हमारे लिए और भी मुश्किल होगा, क्योंकि हमें ब्याज पर ब्याज देना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा, उन्होंने (आरबीआई) बैंकों को बहुत अधिक राहत दी हैं और हमें सच में कोई राहत नहीं दी गई। साथ ही उन्होंने कहा, मेरी तरफ से कोई चूक नहीं हुई है और एक योजना का हिस्सा बनने के लिए ब्याज पर ब्याज लेकर हमें दंडित नहीं किया जा सकता। दत्ता ने दावा किया कि भारतीय रिजर्व बैंक एक नियामक है और बैंकों का एजेंट नहीं है तथा कर्जदारों को कोविड 19 के दौरान दंडित किया जा रहा है। अब सरकार कह रही है कि ऋणों का पुनर्गठन किया जाएगा। आप पुनर्गठन कीजिए लेकिन ईमानदार कर्जदारों को दंडित न कीजिए। कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सी ए सुंदरम ने पीठ से कहा कि किश्त स्थगन को कम से कम छह महीने के लिए बढ़ाया जाना चाहिए। कल केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने उच्चतम न्यायालय को कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच ऋण की किस्तों के भुगतान पर रोक को दो साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

एलआईसी हाउसिंग ने 50,500 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने बुधवार को कहा कि वह इस माह होने वाली वार्षिक आम बैठक में बाजार से 50,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिये शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। यह पूंजी रिण प्रतिभूतियों अथवा अन्य वित्तीय साधनों के जरिये निजी नियोजन के आधार पर जुटाई जायेगी। कंपनी की यह वार्षिक आम बैठक (एजीएम) वीडियो कन्फ्रेंसिंग और अन्य श्रव्य- दृश्य माध्यमों के जरिये कोविड- 19 से जुड़े नियमों का पूरी तरह पालन करते हुये 28 सितंबर 2020 को आयोजित की जायेगी। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि कंपनी द्वारा जारी किये जाने वाले गैर- परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) उनके अंकित मूल्य के समान मूल्य पर अथवा प्रीमियम के साथ या फिर रियायती मूल्य पर भी जारी किये जा सकते हैं। यह उस समय की बाजार परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। कंपनी ने कहा है कि वह रिण जुटाने के विभिन्न साधनों को एक अथवा एक से अधिक किस्तों में भी जारी कर सकती है। पूंजी जुटाने का यह काम आगामी वार्षिक आम बैठक से लेकर अगली वार्षिक आम बैठक के बीच कई किस्तों में हो सकता है।यह काम आगामी वार्षिक आम बैठक से लेकर अगली वार्षिक आम बैठक के बीच कई किस्तों में हो सकता है।

अगस्त में सोनालिका ट्रैक्टर्स ने ट्रैक्टरों की बिक्री में 59 प्रतिशत की छलांग लगाई

मुंबई।

सोनालिका ट्रैक्टर्स ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 59 प्रतिशत की छलांग लगायी है। कंपनी ने अगस्त माह में 10,206 ट्रैक्टरों की बिक्री की जो सालभर पहले की समान अवधि में 6,412 ट्रैक्टर थी। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सोनालिका ट्रैक्टर ने अगस्त में अपने बिक्री रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए पिछले साल की तुलना में 80 प्रतिशत की उच्चतम घरेलू वृद्धि दर्ज करते हुए 8,205 ट्रैक्टरों की बिक्री की।

ट्रैक्टरों की मांग बढ़ी है- रमन मित्तल

अगस्त के महीने में निर्यात सहित कुल बिक्री 10,206 ट्रैक्टरों की हुई जो संख्या पिछले साल की समान अवधि में 6,412 ट्रैक्टर थी। सोनालिका समूह के कार्यकारी निदेशक रमन मित्तल ने कहा, ट्रैक्टरों की मांग बढ़ी है और हम इस बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम रहे हैं। अगस्त में, हमने 10,206 ट्रैक्टरों पर समग्र बिक्री के साथ 80 प्रतिशत की उच्चतम घरेलू वृद्धि दर्ज की है, और इस प्रकार लगातार चौथे महीने हमने एक नया रिकॉर्ड उच्च स्तर हासिल किया है और 73 प्रतिशत की अनुमानित ट्रैक्टर उद्योग के वृद्धि अनुमान को पीछे छोड़ा है।'

किसानों के मशीनीकरण के प्रति झुकाव का बढ़ा

मित्तल ने कहा कि मांग के बेहतर रहने की उम्मीद है जिसका कारण खरीफ बुवाई का अधिक क्षेत्रफल होना और अच्छे मॉनसून के साथ-साथ किसानों के मशीनीकरण के प्रति झुकाव का बढ़ना है। उन्होंने कहा कि कंपनी, आगामी त्योहारी सत्र के लिए तैयारी में जुटी है। इस दौरान होने वाली बिक्री का कुल बिक्री में 40-45 प्रतिशत का योगदान होता है। भारत भर में सोनालिका ट्रैक्टर्स के पास 24 डिपो हैं और 983 डीलरों का नेटवर्क है। कंपनी ने कहा कि किसान उपयोग आधारित खेती की ओर उन्मुख हैं और विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुकूलित ट्रैक्टरों की मांग बढ़ी है। ट्रैक्टरों की मांग बढ़ने के साथ-साथ विशेष उपकरणों की भी मांग बढ़ी है।

यूनीलीवर 2030 तक सफाई उत्पादों में जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल बंद करेगा

नई दिल्ली। उपभोक्ता वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी यूनीलीवर ने कहा है कि वह एक अरब यूरो की 'स्वच्छ भविष्य निवेश पहल' के तहत 2030 तक स्वच्छता एवं धुलाई उत्पादों में जीवाश्म ईंधन आधारित रसायनों का इस्तेमाल बंद कर देगी। यूनीलीवर ने कहा कि वह अपने सफाई एवं धुलाई उत्पादों में कार्बन आधारित जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर देगी और उसकी जगह नवीकरणीय कार्बन का उपयोग करेगी। कंपनी की इस पहले से सर्फ, सनलाइट, विम और डोमेक्स जैसे वैश्विक सफाई और कपड़े धोने के ब्रांडों में बदलाव आएगा।इस निवेश के जरिए ऐसे उत्पाद विकसित किए जाएंगे जिनके लिए कम पानी की जरूरत हो और जो प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाएं। इसके साथ ही कंपनी 2025 तक नई प्लास्टिक के इस्तेमाल को घटाकर आधा करेगी। इस निवेश के जरिए ऐसे उत्पाद विकसित किए जाएंगे जिनके लिए कम पानी की जरूरत हो और जो प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाएं। इसके साथ ही कंपनी 2025 तक नई प्लास्टिक के इस्तेमाल को घटाकर आधा करेगी।

इस महीने एलपीजी सिलेंडर पर नहीं मिलेगी सब्सिडी

नई दिल्ली।

सितबंर महीने में घरेलू गैस पर सरकारी सब्सिडी नहीं मिलेगी। सरकार ने मई महीने से गैस पर मिलने वाली सब्सिडी पर रोक लगा दी है। सरकार ने ऐसा फैसला क्यों लिया, इसकी पीछे की बड़ी वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में अप्रैल में एलपीजी की कीमतों में भारी गिरावट के बाद मई में घरेलू सिलेंडर का बाजार मूल्य 162.50 रुपए घटाकर 581.50 रुपए कर दिया गया। जिससे अब सब्सिडी और बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत एक जैसी हो गई है। बता दें कि सितंबर में घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सूत्रों की मानें तो केंद्र सरकार ने मई महीने में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव करते समय ही गैस सब्सिडी खत्म करने का फैसला किया था, जिसकी वजह से मई, जून और जुलाई में गैस लेने पर भी ग्राहकों को सब्सिडी नहीं मिली। दरअसल, गैस सिलेंडर का बाजार मूल्य या बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत काफी कम हो गई है। लेकिन सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ है। ऐसे में दोनों सिलेंडरों के बीच का अंतर लगभग खत्म हो गया। इस वजह से सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर पर सब्सिडी देना बंद कर दिया है।

सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में बीते साल से ही कटौती की जा रही है। ऐसे मे सब्सिडी वाला सिलेंडर 100 रुपए मंहगा हो गया और इस पर मिलने वाली सब्सिडी शून्य हो गई। दिल्ली में पिछले साल जुलाई में 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर का बाजार मूल्य 637 रुपये था, जो अब घटकर 594 रुपये रह गया है। अगर इससे अधिक सिलेंडर चाहिए।

फ्यूचर ग्रुप के अधिग्रहण से खुदरा क्षेत्र में मजबूत होगी रिलायंस की उपस्थिति: मूडीज

नयी दिल्ली।

फ्यूचर ग्रुप के उपभोक्ता कारोबार के अधिग्रहण से खुदरा क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी संगठित रिटेलर कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की उपस्थिति और मजबूत होगी। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने बुधवार को यह टिप्पणी की। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 24,713 करोड़ रुपये में फ्यूचर एंटरप्राइज लिमिटेड (एफईएल) के उपभोक्ता व्यवसाय का अधिग्रहण करने की पिछले सप्ताह घोषणा की थी। रेटिंग एजेंसी ने एक नोट में कहा, ''यह सौदा क्रेडिट के लिहाज से सकारात्मक है, क्योंकि यह भारत की सबसे बड़ी संगठित खुदरा कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की स्थिति खुदरा क्षेत्र में और मजबूत करेगा तथा उसकी आय को भी विस्तृत बनायेगा।'' मूडीज ने कहा कि रिलायंस की कुल संपत्ति करीब 155 अरब डॉलर है और 31 मार्च 2020 को समाप्त हुई तिमाही में कर व ब्याज आदि कटौतियों से पूर्व का लाभ 12.8 अरब डॉलर रहा है। इसको देखते हुए इस सौदे का करीब 3.3 अरब डॉलर का आकार छोटा ही है। उसने कहा, ''अतः इस सौदे को रिलायंस इंडस्ट्रीज की मौजूदा रेटिंग में समायोजित किया जा सकता है। कंपनी की संपत्तियों की हालिया बिक्री और शेयर बेचकर पूंजी जुटाने के अभियान से उसने ठीक-ठाक नकदी जमा की है। फ्यूचर ग्रुप के खुदरा, थोक, रसद (लॉजिस्टिक्स) व भंडारण (वेयरहाउसिंग) कारोबार के अधिग्रहण से रिलायंस इंडस्ट्रीज की उपस्थिति इन श्रेणियों में लगभग दोगुना हो जाएगी।'' मूडीज ने कहा कि इस सौदे से भारत में संगठित खुदरा क्षेत्र में रिलायंस को अपनी उपस्थिति मजबूत बनाने में मदद मिलेगी, क्योंकि वह अभी फ्यूचर ग्रुप के नियंत्रण में अभी परिचालन कर रहे स्टोर के नेटवर्क व इसके मजबूत ब्रांड नाम का दोहन कर सकेगी। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस सौदे से उन राज्यों व क्षेत्रों में भी पहुंच मिलेगी, जहां अभी उसकी महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है। मूडीज ने कहा, ''भले ही फ्यूचर ग्रुप के ये निकाय वित्तीय दबाव में हैं।

लेकिन हमें रिलायंस इंडस्ट्रीज पर इसका असर पड़ने का अनुमान नहीं है, क्योंकि वह (रिलायंस इंडस्ट्रीज) सिर्फ संपत्तियों व व्यवसायों को खरीद रही है।'' रिलायंस इंडस्ट्रीज के ऊपर 31 मार्च 2020 तक 21.5 अरब डॉलर का शुद्ध कर्ज था। इसके साथ 3.3 अरब डॉलर के हालिया सौदे को रखते हुए देखें ।

एफएओ बैठक : भारत का कोविड-19 संकट के बीच स्थिर वैश्विक खाद्य आपूर्ति को समर्थन देने का वादा

नई दिल्ली।

भारत ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 संकट के मद्देनजर 'स्थिर' वैश्विक खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित के लिए वह अपना पूरा समर्थन देगा। उसने कहा कि इसके लिए उसके पास अपनी कृषि निर्यात नीति है। कोरोना वायरस संकट की वजह से दक्षिण एशिया में खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। ऐसे में भारत का यह आश्वासन अहम है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के 35वें एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान भारत ने कहा कि कोविड-19 संकट के दौरान भारत में लोगों की खाद्य सुरक्षा को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि सरकार ने महामारी के प्रकोप को कम से कम करने के लिए समय रहते कई कदम उठाए। संयुक्तराष्ट्र संघ की इकाई एफएओ ने एक बयान में कहा कि मंगलवार से शुरू हुई इस चार दिन के वर्चुअल सम्मेलन में कोरोना वायरस के मद्देनजर क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा की मौजूदा हालत की समीक्षा की जाएगी। भूटान इस सम्मेलन का मेजबान देश है। कृषि मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अल्का भार्गव के हवाले से बयान में कहा गया है, 'भारत सरकार ने महामारी के प्रकोप को कम करने के लिए उपुयक्त कदम उठाए। संयोग से इसे रबी की फसल का समर्थन भी मिला।' उन्होंने कहा कि सरकार ने रबी की फसल के लिए लॉकडाउन के नियमों में राहत दी, जिसका परिणाम बंपर फसल के तौर पर सामने हैं। वहीं खरीफ की बुवाई के लिए किसानों को जरूरी वस्तुओं की समय से आपूर्ति के चलते पिछले साल की तुलना में फसल का रकबा 20 प्रतिशत बढ़ा है। भार्गव ने सरकार के कृषि क्षेत्र को लेकर तीन अध्यादेश लाने का भी जिक्र किया जिसने कृषि बाजार को मुक्त बनाया है। कृषि आयुक्त एस. के. मल्होत्रा ने सम्मेलन में शामिल देशों को भरोसा दिलाया कि अपनी कृषि निर्यात नीति के माध्यम से भारत स्थिर वैश्विक खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने में समर्थन करेगा।

वोडाफोन आइडिया को बकाया लौटाने में करना पड़ सकता है मुश्किलों का सामना: विश्लेषक

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मामले में निर्णय के बाद विश्लेषकों ने कहा कि वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) को बकाया लौटाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। ब्रोकरेज कंपनी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि वोडाफोन आइडिया को समय मुताबिक भुगतान करने में समस्या हो सकती है लेकिन भारती एयरटेल के साथ ऐसा नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को वोडाफोन आइडिया, भारती एयरटेल और टाटा टेलीसर्विसेज जैसी कंपनियों को दूरसंचार विभाग (डीओटी) को समायोजित सकल राजस्व से संबंधित बकाया चुकाने के लिए कुछ शर्तों के साथ दस साल का समय दिया। न्यायालय ने अपने फैसले में दूरसंचार कंपनियों को एजीआर मद में अनुमानित 1.6 लाख करोड़ रुपये के बकाये के भुगतान के लिये 20 साल का समय दिये जाने से इनकार कर दिया।वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल ही निजी क्षेत्र की कंपनियां हैं, जो कीमत घटाने की आक्रमक होड़ में बाजार में टिकी हुई हैं। कीमत घटाने की शुरूआत मुकेश अंबानी की कंपनी जियो के बाजार में आने के साथ हुई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि आठ प्रतिशत ब्याज को अगर माना जाए तो भारती एयरटेल और वीआईएल को सालाना क्रमशः 3,900 करोड़ रुपये और 7,500 करोड़ रुपये देने पड़ सकते हैं। ब्रोकरेज कंपनी के अनुसार शून्य प्रतिशत ब्याज पर दोनों को क्रमशः 2,600 करोड़ रुपये और 5,000 करोड़ रुपये देने होंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रमुख (इक्विटी रणनीति, ब्रोकिंग और वितरण) हेमांग जैन ने कहा कि भुगतान को लेकर अभी ब्याज दर के बारे में चीजें साफ नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आस्ट्रेलिया ने फिर वही सम्मान हासिल कर लिया है : लैंगर

साउथम्पटन । आस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि उनकी टीम ने 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर वही सम्मान हासिल कर लिया है। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के इस शर्मनाक प्रकरण से देश की प्रतिष्ठा धूमिल हुई थी जिसमें स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरन बैनक्रोफ्ट को निलंबित किया गया था।इस प्रकरण के बाद लैंगर बतौर कोच टीम से जुड़े और बुधवार को उन्होंने इसे संकट की स्थिति बताया। इसके बाद वनडे श्रृंखला में इंग्लैंड से मिली 0-5 की हार के बाद उन्होंने टीम को उबारने में मदद की। अब आस्ट्रेलियाई टीम में स्मिथ और वार्नर वापस आ चुके हैं और दो साल बाद फिर इंग्लैंड में हैं जब टीम टेस्ट और टी-20 क्रिकेट में नंबर एक रैंकिंग की टीम है। लैंगर ने साउथम्पटन में टीम के ट्रेनिंग बेस से वीडियो कॉल में कहा- टीम ने दक्षिण अफ्रीका में काफी गलत फैसला किया था और हमने व्यक्तिगत रूप से और सभी ने मिलकर इसका खामियाजा भुगता। उन्होंने कहा- लेकिन मुझे लगता है कि दो साल बाद हमने फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हासिल कर लिया है। हमें आस्ट्रेलिया में घरेलू दर्शकों को गौरवान्वित करना था और उम्मीद है कि हमने ऐसा कर लिया है। मैदान के अंदर बाहर दोनों जगह।

ओपन चैंपियन अमेरिका

सेरेना, केनिन और थिएम दूसरे दौर में, वीनस बाहर

न्यूयार्क ।

23 बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन अमेरिका की सेरेना विलियम्स, मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अमेरिका के सोफिया केनिन और दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने मंगलवार को पहले राउंड के मैच जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया जबकि पूर्व नंबर एक अमेरिका की सेरेना विलियम्स को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। रिकॉर्ड 24वें ग्रैंड स्लेम खिताब की तलाश में लगी छह बार की यूएस ओपन चैंपियन और तीसरी सीड सेरेना ने हमवतन क्रिस्टी आन को एक घंटे 21 मिनट में 7-5, 6-3 में और दूसरी सीड केनिन ने बेल्जियम की यानिना विकमाएर को 6-2, 6-2 से हराया। सेरेना ने मैच में 28 विनर्स और 13 एस लगाए तथा सात बार विपक्षी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी। सेरेना का अगला मुकाबला रूस की मार्गरिटा गैस्परयान से होगा जिन्होंने पुएर्तो रिको की मोनिका पुइग को 6-3, 6-7(0), 6-0 से पराजित किया। मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन और विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी केनिन ने पूर्व यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट विकमाएर को मात्र 67 मिनट में पराजित कर दिया। केनिन की अगली भिड़ंत कनाडा की युवा खिलाड़ी लेलाह फर्नांडिज से होगी जिन्होंने 2010 की फाइनलिस्ट रूस की वेरा ज्वोनारेवा को हराया लेकिन सेरेना की बड़ी बहन और पूर्व नंबर एक वीनस को चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने एक घंटे 49 मिनट में 6-3, 7-5 से हरा दिया दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं।

थिएम को अपने विपक्षी जौम मुनार के रिटायर होने से दूसरे दौर में प्रवेश मिल गया। स्पेन के मुनार ने एक घंटे 55 मिनट के बाद जब मैच छोड़ा तब वह पहले दो सेट 6-7, 3-6 से हार चुके थे। थिएम का अगला मुकाबला भारत के सुमित नागल से होगा जिन्होंने अमेरिका के ब्रेडले क्लान को दो घंटे 12 मिनट में चार सेटों में 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से पराजित किया और पिछले सात साल में किसी ग्रैंड स्लेम के दूसरे दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए। स्पेन के मुनार ने एक घंटे 55 मिनट के बाद जब मैच छोड़ा तब वह पहले दो सेट 6-7, 3-6 से हार चुके थे।

थिएम का अगला मुकाबला भारत के सुमित नागल से होगा जिन्होंने अमेरिका के ब्रेडले क्लान को दो घंटे 12 मिनट में चार सेटों में 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से पराजित किया और पिछले सात साल में किसी ग्रैंड स्लेम के दूसरे दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए।

सिंधू निजी कारणों से उबेर कप से हटी, डेनमार्क ओपन में खेलना संदिग्ध

नयी दिल्ली ।

विश्व चैंपियन पी वी सिंधू 'निजी कारणों' से अगले महीने होने वाले थामस एवं उबेर कप फाइनल्स से हट गयी हैं और उनका डेनमार्क में होने वाले सुपर 750 टूर्नामेंट में खेलना भी संदिग्ध है। थामस एवं उबेर कप तीन से 11 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के आर्थस में खेला जाना है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने पिछले सप्ताह जो नया संशोधित कैलेंडर जारी किया था उसमें यह पहला टूर्नामेंट है। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता इस खिलाड़ी के पिता पी वी रमन्ना ने कहा- सिंधू कुछ निजी कारणों से थामस और उबेर कप फाइनल्स में हिस्सा नहीं ले पाएगी। उन्होंने कहा- उसके कुछ निजी काम हैं और दुर्भाग्य से उसे इस प्रतियोगिता से हटना होगा। हमने भारतीय बैडमिंटन संघ को उसके निर्णय से अवगत करा दिया है। थामस और उबेर कप फाइनल्स के बाद 13 से 18 अक्टूबर के बीच

डेनमार्क ओपन और फिर 20 से 25 अक्टूबर तक डेनमार्क मास्टर्स का आयोजन किया जाएगा। ओलंपिक की दावेदार सिंधू अभी हैदराबाद में राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर में अभ्यास कर रही है। उन्होंने पहले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेने की योजना बनायी थी। रमन्ना से पूछा गया कि क्या सिंधू डेनमार्क में दो अन्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेगी, उन्होंने कहा- असल में इनमें भाग लेना भी संदिग्ध है। मेरे कहने का मतलब दोनों प्रतियोगिताओं के लिये आवेदन भेज दिया गया है, लेकिन यह उसके निजी कार्य पर निर्भर करता है कि वह इन दोनों में खेल पाएगी या नहीं। उन्होंने कहा- वह डेनमार्क में एक टूर्नामेंट से हट सकती है। अगर वह अपना कार्य पूरा कर देती है तो वह एक टूर्नामेंट में खेलेगी।

बेटे के भविष्य पर चर्चा के लिए बार्सीलोना पहुंचे मेस्सी के पिता

बार्सीलोना । दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेस्सी के पिता बुधवार तड़के स्पेन पहुंचे और उनके बार्सीलोना क्लब के अधिकारियों से मिलकर अपने बेटे के भविष्य पर चर्चा करने की संभावना है। जॉर्ज मेस्सी लियोनल मेस्सी के एजेंट भी हैं। वह अर्जेंटीना से बार्सीलोना पहुंचे। उनके क्लब अध्यक्ष जोसेप बारटोम्यू और टीम के अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात करने की संभावना है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह बैठक कब होगी। हवाई अड्डे पर सवालों के जवाब में जॉर्ज मेस्सी ने कहा, 'मुझे कुछ नहीं पता। लियोनल मेस्सी ने पिछले हफ्ते बार्सीलोना से कहा था कि वह क्लब छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने अपने अनुबंध के उस नियम का सहारा लिया था जिसके अनुसार वह सत्र के अंत में बिना कोई राशि दिए क्लब से जा सकते हैं। लेकिन बार्सीलोना ने दावा किया है कि इस नियम की सीमा जून में खत्म हो गई है और उन्हें जून 2021 तक अपने मौजूदा अनुबंध को पूरा करना होगा या फिर क्लब छोड़ने से पहले 70 करोड़ यूरो (83 करोड़ 70 लाख डॉलर) का भुगतान करना होगा। बार्सीलोना कह रहा है कि वह मेस्सी के क्लब से जाने में सहायता नहीं करेगा और सिर्फ अनुबंध को बढ़ाने पर बातचीत करेगा। क्लब ने अर्जेन्टीना के इस स्टार फुटबॉलर को दो साल का अनुबंध बढ़ाने की पेशकश की है जिससे वह 2022-23 सत्र तक टीम से जुड़े रहेंगे।

यूएस ओपन : सुमित नागल दूसरे दौर में, भारत का 7 साल का इन्तजार खत्म

न्यूयार्क ।

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर देश का सात साल का इंतजार ख़त्म कर दिया। यूएस ओपन के एकल मुख्य ड्रा में एकमात्र भारतीय नागल ने अमेरिका के ब्रेडले क्लान को दो घंटे 12 मिनट में चार सेटों में 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से पराजित कर दूसरे दौर में जगह बनाई और 2013 के बाद से यूएस ओपन या किसी भी ग्रैंड स्लेम के दूसरे दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले सोमदेव देववर्मन 2013 में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे। 23 वर्षीय नागल का दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम से गुरूवार को मुकाबला होगा। थिएम को अपने विपक्षी जौम मुनार के रिटायर होने से दूसरे दौर में प्रवेश मिल गया। स्पेन के मुनार ने एक घंटे 55 मिनट के बाद जब मैच छोड़ा तब वह पहले दो सेट 6-7, 3-6 से हार चुके थे। नागल लगातार दूसरी बार यूएस ओपन में खेल रहे हैं। नागल को यूएस ओपन के मुख्य ड्रा में सीधा प्रवेश मिला था। नागल मौजूदा विश्व रैंकिंग में 127वें स्थान पर हैं और 128 खिलाडियों की फील्ड में सीधा प्रवेश पाने वाले वह आखिरी पुरुष खिलाड़ी थे । नागल मौजूदा विश्व रैंकिंग में 127वें स्थान पर हैं और 128 खिलाडियों की फील्ड में सीधा प्रवेश पाने वाले वह आखिरी पुरुष खिलाड़ी थे । पिछले वर्ष नागल अपने सभी क्वालीफाइंग मैच जीतकर मुख्य ड्रा में पहुंचे थे जहां उनका सामना पहले ही राउंड में 20 ग्रैंड स्लेम खिताबों के विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर से हो गया था। नागल ने फेडरर से पहला सेट 6-4 से जीतकर सबको चौंका दिया था लेकिन फिर वह अगले तीन सेट 1-6 2-6 4-6 से हार गए थे।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2020 में वापसी कर सकते हैं सुरेश रैना, क्रिकेटर ने खुद दिया बड़ा संकेत

स्पोर्ट्स डेस्क । सुरेश रैना ने निजी कारणों की वजह से कुछ दिनों पहले आईपीएल 2020 से नाम वापस ले लिया और वह भारत वापस आ गए हैं। इससे रैना के फैंस को काफी धक्का लगा था। लेकिन हाल ही में रैना ने बातचीत के दौरान बड़ी जानकारी देते हुए वापसी का संकेत दिया है। कोरोना वायरस के कारण इस बार आईपीएल यूएई में खेला जाएगा। रैना ने एक वेबसाइट से बातचीत के दौरान कहा, यह एक व्यक्तिगत निर्णय था और मुझे अपने परिवार के लिए वापस आना था। कुछ ऐसा था जिसे घरेलू मोर्चे पर तुरंत संबोधित करने की आवश्यकता थी। सीएसके भी मेरा परिवार है और माही भाई (एमएस धोनी) मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और यह एक कठिन निर्णय था। खिलाड़ी ने आगे कहा, सीएसके और मेरे बीच कोई मुद्दा नहीं है। कोई भी सिर्फ 12.5 करोड़ रुपए के लिए वापस नहीं आएगा और बिना किसी ठोस कारण के वापस नहीं जाएगा। हो सकता है कि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुका हूं लेकिन मैं अभी भी युवा हूं और मैं अगले 4-5 वर्षों तक आईपीएल में उनके (सीएके) लिए खेलना चाहता हूं। रैना ने वापसी का संकेत देते हुए कहा कि में क्वारंटाइन के समय में भी ट्रेनिंग कर रहा हूं। आप नहीं जानते कि क्या पता आप मुझे फिर से शिविर में देख सकते हो। यह दिल तोड़ने वाला था। यह एक बहुत ही घातक बीमारी है और इतनी सारी सावधानियों के बाद भी अगर स्टाफ संक्रमित हो जाता है तो बस यही कहूंगा कि यह कितना बुरा हो सकता है और यह किसी को भी हो सकता है। मुझे उम्मीद है कि सभी जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

कमलेश नागरकोटी बोले- पैट कमिंस कैसे उभरे चोटों से, मिलकर जानना चाहता हूं

नई दिल्ली । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटी ऑस्ट्रेलिया के सीमर पैट कमिंस से यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि उन्होंने अपनी चोटों को कैसे संभाला और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की। नागरकोटी को चोटों ने परेशान किया हुआ है। वह केकेआर के साथ 2018 की नीलामी में ही जुड़ गए थे लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही उन्हें चोट लग गई थी। नागरकोटी ने केकेआर के अधिकारी को बताया- बेशक, लंबे समय से चोटें से जूझ रहा है। इसलिए, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन 3-4 सालों के दौरान उनकी क्या मानसिकता थी, उन्होंने खुद को कैसे प्रेरित किया और कैसे खुद को तैयार किया। युवा खिलाड़ी ने आगे बताया कि चोटों को कम करने के लिए उन्होंने कैसे नई गेंदबाजी शैली को अपनाया। नगरकोटी ने कहा- मैंने अपने कोच सुरेंद्र सर और केकेआर के गेंदबाजी कोच ओमकार सालवी सर से सलाह लेने के बाद अपनी गेंदबाजी में कुछ पहलुओं को बदल दिया है।

सरफराज अहमद ने छोड़ा स्टंपिंग चांस, फिर जम्हाई लेते आए थे नजर

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद एक बार फिर से अपने रवैये के कारण चर्चा में आ गए हैं। बीते दिनों इंगलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में सरफराज को मौका मिला था। पहले खेलते हुए सरफराज को बल्लेबाजी का मौका तो मिला नहीं लेकिन जब वह विकेटकीपिंग के लिए आए तो उनसे बड़ा ब्लंडर हो गया। बता दें कि मैच के दौरान सरफराज के पास इंगलैंड के बल्लेबाज डेविड मलान को स्टंप करने का अच्छा चांस मिला था। लेकिन उन्होंने इसे पूरी तरह मिस कर दिया। इंगलैंड दौरे पर पहुंची पाकिस्तान टीम टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद टी-20 सीरीज ड्रा करवाने में कामयाब रही है। इस पूरी सीरीज के दौरान सरफराज को विभिन्न कैमरामैन ने जम्हाई लेते हुए कैच कर लिया। बता दें कि भारत के खिलाफ विश्व कप 2019 के मैच में जम्हाई लेने के कारण सरफराज सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हुए थे। बता दें कि तीसरे वनडे में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हफीज के 86, हैदर अली के 54 रनों की बदौलत 190 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी इंगलैंड की ओर से जॉनी बेयरस्टो 0 तो डेविड मलान 7 रन तो कप्तान मोर्गन 10 ही रन बनाकर चलते बने। मोईन अली ने 33 गेंदों में चार चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन जरूर बनाए लेकिन वह हार टाल नहीं सके।

रैना को बेटे की तरह समझता हूं लेकिन उसकी वापसी पर फैसला टीम प्रबंधन करेगा: श्रीनिवासन

नई दिल्ली । चेन्नई सुपरकिंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन के लिये सुरेश रैना 'बेटे की तरह हैं और बुधवार को उन्होंने कहा कि इस हरफनमौका की टीम में वापसी पर फैसला कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाले टीम प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। पिछले हफ्ते रैना कोविड-19 के 13 मामले सामने आने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स के दुबई में शिविर से लौट आए थे, जिसमें राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर भी शामिल थे। उनके 'बायो बबल के कथित उल्लंघन के संबंध में कुछ विवाद था लेकिन इस खिलाड़ी ने इससे साफ इंकार किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शुरू में रैना के जाने से नाराज थे लेकिन बाद में वह थोड़े नरम हो गए। खिलाड़ी ने भी लगता है कि श्रीनिवासन से बात की है और उन्हें पितातुल्य बताते हुए संकेत दिया कि वह शायद शिविर में वापस लौट सकते हैं। श्रीनिवासन ने कहा, 'मैं उसे बेटे की तरह ही समझता हूं। आईपीएल में टीम की सफलता का कारण यह है कि फ्रेंचाइजी ने कभी भी क्रिकेट मामलों में अपनी नाक नहीं घुसाई है। इंडिया सीमेंट्स 60 के दशक से क्रिकेट चला रहा है। मैं हमेशा ऐसा ही रहूंगा। तो क्या उन्हें रैना के संयुक्त अरब अमीरात में वापसी और आईपीएल में खेलने की उम्मीद है? तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के पूर्व प्रमुख ने कहा, 'देखिए, कृपया समझिये, कि वह मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है (कि रैना वापस लौटता है या नहीं)। उन्होंने कहा, 'हम टीम के मालिक हैं, हम फ्रेंचाइजी के मालिक हैं लेकिन हम खिलाड़ियों के मालिक नहीं हैं। टीम हमारी है लेकिन खिलाड़ी नहीं। मैं खिलाड़ियों का मालिक नहीं हूं। श्रीनिवासन का कहना है कि रैना पर फैसला टीम प्रबंधन लेगा जिसका मतलब कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन से है। उन्होंने कहा, 'मैं क्रिकेट कप्तान नहीं हूं। मैंने उन्हें (टीम प्रबंधन) कभी नहीं कहा कि किसे खिलाइये, किसे नीलामी में लीजिए, कभी नहीं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर की पहाड़ से गिरकर मौत, दोस्तों के साथ गया था ट्रैकिंग करने

स्पोर्ट्स डेस्क । महाराष्ट्र टीम के पूर्व रणजी क्रिकेटर शेखर गवली की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक शेखर महाराष्ट्र के नासिक जिले में 250 फीट गहरी घाटी में गिर गए और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शेखर गवली मंगलवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ नासिक के इगतपुरी हिल स्टेशन के पश्चिमी घाट पर पहाड़ों पर ट्रैकिंग के लिए गए थे। महाराष्ट्र के इस पूर्व क्रिकेटर का अपना संतुलन खोने के बाद घाटी में गिर गया। हादसे के कुछ घंटे बाद तक उसका शव गायब था लेकिन पुलिस ने उनके शव को बरामद कर लिया। इगतपुरी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि बुधवार सुबह करीब 10 बजे उसका शव मिला। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा। शेखर गवली की मौत पर महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने शौक व्यक्त करते हुए ट्विटर पर लिखा, एक दुखद घटना में हमारे पूर्व खिलाड़ी और महाराष्ट्र टीम के वर्तमान ट्रेनर शेखर गवली का निधन हो गया। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना। हम सभी इस दुखद स्थिति में आपने परिवार के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

डेविड मिलर बोले- पिछले 5 महीने से प्रैक्टिस सेशन की फिल्में देख रहा था मैं

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13 वें संस्करण के तीन सप्ताह से कम समय के साथ, टीमें यूएई में प्रशिक्षण सत्रों में पसीना बहा रही हैं। कोरोनोवायरस महामारी के कारण हालांकि एक समय सीजन के होने या न होने पर सवाल उठ गए थे लेकिन बीसीसीआई ने फौरन एक्शन लेकर सही वातावरण बनाने की कोशिश की है। टीमें भी अब निर्विघ्न अपनी प्रैक्टिस सेशन में लौट आई है। इसी क्रम में राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर भी प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेकर बेहद खुश हैं। आरआर के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा- फिर से प्रशिक्षण प्राप्त करना अविश्वसनीय लगता है, हम बिना किसी क्रिकेट के 5 महीने से चल रहे हैं। यह वास्तव में निराशाजनक रहा है। मन फिर से प्रशिक्षण के लिए अच्छा है और मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। अपने पहले प्रशिक्षण सत्र पर टिप्पणी करते हुए, मिलर ने कहा कि यह बहुत मजेदार था और वास्तव में दुनिया भर में लॉकडाउन के दौरान उनके दिनाम में प्रशिक्षण के सीन ही घूम रहे थे। मिलर बोले- पहला प्रशिक्षण सत्र वास्तव में मजेदार था, जाहिर है कि हम वास्तव में टूर्नामेंट के लिए आगे की ओर देख रहे हैं। मैं पिछले चार महीनों से प्रशिक्षण के लिए अपने दिमाग में फिल्में खेल रहा हूं।

राजस्थान परिवार के साथ पहला प्रशिक्षण सत्र, इस सीजन के लिए उन्हें बहुत अच्छा लगता है। मिलर बोले- प्रैक्टिस सेशन के दौरान कुछ गेंदों को मारा तो बहुत मजा आया।

आईसीसी रैंकिंग में टॉम बैंटन और मोहम्मद हफीज की लंबी छलांग, इस स्थान पर पहुंचे

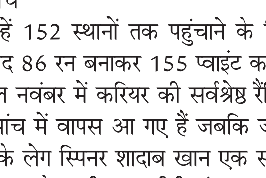

दुबई । इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम बैंटन और पाकिस्तान के मोहम्मद हफीज ने बुधवार को तीन मैचों की टी 20 सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी मेन्स टी 20 आई प्लेयर रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है7 पाकिस्तान ने मंगलवार को तीसरा टी 20 इंटरनेशनल जीता और इसके साथ ही तीन मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रा हो गई। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण ड्रा हो गया था। वॉश-आउट ओपनिंग मैच में 71 रनों की पारी सहित बैंटन के 137 रनों के विशाल स्कोर ने उन्हें 152 स्थानों तक पहुंचाने के लिए शानदार 152 रनों की बढ़त हासिल की। वहीं, हफीज अंतिम मैच में नाबाद 86 रन बनाकर 155 प्वाइंट कमाने में सफल रहे। अब वह 68वें से 44वें स्थान पर आ गए हैं। पिछले साल नवंबर में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने वाले डेविड मलान सीरीज में 84 रन बनाने के बाद शीर्ष पांच में वापस आ गए हैं जबकि जॉनी बेयरस्टो भी करियर के सर्वश्रेष्ठ 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान एक स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के टॉम कुरेन और पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी संयुक्त 20 वें स्थान पर हैं। वहाब रियाज (18 स्थान ऊपर उठकर 107 वें स्थान पर) और हैरिस रॉफ 25वें स्थान से उठकर 157वें स्थान पर आ गए। आईसीसी मेन्स टी-20 इंटरनेशनल टीम रैंकिंग में इंग्लैंड दूसरे स्थान पर तो पाकिस्तान चौथे स्थान पर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मल्टीप्लेक्स में रोजगार

मल्टीप्लेक्स आज फिल्मों और मनोरंजन की दुनिया का अहम भाग बन चुके हैं। हर नई रिलीज होती फिल्म अपने से पिछली रिलीज हुई फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ती हुई करोड़ों रुपए का बिजनेस करती नजर आती है।यह सब मल्टीप्लेक्स के ट्रेंड से ही संभव हो पाया है। हर फैमली सप्ताह के अंतिम दिनों में बाहर मौज-मस्ती करना चाहती हैं और सभी के पास मल्टीप्लेक्स का विकल्प सबसे पहले तैयार होता है। आखिर एक ही जगह जब चार-पांच अलग-अलग फिल्में दिखाई जा रही हों, तो लोगों के पास अपनी पसंदीदा फिल्में देखने के भरपूर विकल्प मिल जाते हैं। तो कैसा हो यदि आपको ऐसी रोमांचक जगह पर कैरियर मिल जाए?

वर्तमान परिप्रेक्ष्य- आजकल आमतौर पर एक सिनेमा हॉल में लगभग 100 लोग काम करते हैं जिसमें से 30 डायरेक्ट जॉब पर होते हैं, 20 लोग एजेंसियों के माध्यम से जुड़े होते हैं और इन लागों में हाउस बॉयज से लेकर क्रू मेंबर तथा सिनेमा मैनेजर प्रॉफिट सेंटर हेड तक शामिल होते हैं।

आवश्यक योग्यता एवं वेतन

- सिनेमा मैनेजर की पोजिशन के लिए हॉस्पिटेलिटी या रिटेल में ग्रेजुएट होने के साथ-साथ करीब छह या अधिक वर्षों का अनुभव होना आवश्यक है।
- टीम लीड तथा शिफ्ट मैनेजर की पोजिशन के लिए हॉस्पिटेलिटी या रिटेल में ग्रेजुएट होने के साथ-साथ 3 या अधिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए।
- क्रू मेंबर व अन्य स्थानों के लिए ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट छात्र या फैशर्स की मांग अधिक रहती है। इसके अतिरिक्त, आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है।
- यदि सेलरी की बात की जाए तो शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर जहां सिनेमा मैनेजर की सेलरी रेंज 25,000 से 35,000 रुपए प्रतिमाह होती है, वहीं टीम लीडर और शिफ्ट मैनेजर की सैलरी रेंज 17,500 से 25,000 रुपए प्रति माह होती है।
- क्रू में आमतौर पर फ्रेशर्स और छात्र चुने जाते हैं और उनकी सेलरी 5,000 से 9,000 रुपए प्रतिमाह हो सकती है।

क्योंकि ये इंडस्ट्री काफी से वृद्धि कर रही है, इसलिए इसमें एक ही कंपनी में और एक ही लोकेशन में विकास के काफी अवसर हैं। मल्टीप्लेक्स की बढ़ती तादाद के साथ-साथ रिटेल इंडस्ट्री को भी काफी फायदा पहुंच रहा है। इसके अलावा युवाओं के लिए सबसे रोमांचक बात मल्टीप्लेक्स में कैरियर होने पर आप आसानी से हर फिल्म के फर्स्ट डे फर्स्ट शो का लुत्फ उठा सकते हैं। मल्टीप्लेक्स की दुनिया 3 तरह की नौकरियों के विकल्प देती है।

- डायरेक्ट जॉब
- एजेंसी के माध्यम से इनडायरेक्ट जॉब
- एलाइड या वेंडर जॉब जैसे फूड एंड बार, पेपर पैकिंग, इंटीरियर आदि।

अगले 5 सालों में 900 नए मल्टीप्लेस के कारण लगभग 10,000 सीधी नौकरियों के विकल्प भी सामने आने वाले हैं। इन नौकरियों में क्यू और सुपरवाइजरी स्टाफ आदि के विकल्प हैं। एजेंसियों के माध्यम से खुलने वाली लगभग 10,000 ही इनडायरेक्ट जॉब होगीं, जिसमें हाउसकीपिंग, सिक्युरिटी, मैनटेंनस आदि शामिल हैं। इसके अलावा, हर साल करीब 5000 एलाइड व वेंडर जॉब की आवश्यकता होगी, जिसमें फूड एंड बार वेंडर, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर वर्क्स आदि शामिल हैं। इस आंकड़ों में प्रति वर्ष 25 प्रतिशत की वृद्धि होने की भी प्रबल संभावना है।

यही नहीं, इन 25,000 नई नौकरियों के अलावा मल्टीप्लेक्स इंडस्ट्री में हर साल 1,200 अन्य प्रतिष्ठित संसाधनों की भी आवश्यकता होगी और खास बात ये है कि 20 से 30 वर्ष की आयु वाले नौजवानों के लिए इतनी भारी तादाद में नौकरियों की ये मांग आमतौर पर छोटे शहरों में होगी जहां मल्टीप्लेक्स ट्रेंड फैलना शुरू हुआ है। इंस्टिट्यूट मल्टीप्लेक्स से जुड़े क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए मुख्य रूप से मैनेजमेंट, इंटीरियर, हॉस्पिटेलिटी, रिटेल आदि से संबंधित संस्थानों से कोर्स किए जा सकते हैं।

बॉडी लैंग्वेज आसानी से दिलाती है जॉब

बेशक आपकी नॉलेज और दूसरी स्किल्स बेहतरीन हों,लेकिन अगर आपकी बॉडी लैंग्वेज दुरुस्त नहीं है तो आपके लिए जॉब पाना आसान नहीं होगा। इसलिए बेहतर होगा कि अगली बार इंटरव्यू देते वक्त आप अपनी बॉडी लैंग्वेज का भी ख्याल रखें।आज कम्यूनिकेशन का मतलब सिर्फ बोलचाल नहीं है बल्कि आपके अंदाज से भी आपके मन में चल रही बातों को भी समझा जा सकता है। टेक्निकल लैंग्वेज में इसे बॉडी लैंग्वेज कहा जाता है। गौरतलब है कि इंटरव्यू के दौरान सही कैंडिडेट चुनने में बॉडी लैंग्वेज बड़े काम की चीज साबित हो रही है। ज्यादातर एचआर मैनेजर्स बॉडी लैंग्वेज को देखकर ही कैंडिडेट्स का सिलेक्शन करते हैं।

सिर्फ बॉडी लैंग्वेज ही नहीं

आपको बता दें कि बिना शब्दों की भाषा यानी नॉन वर्बल कम्युनिकेशन में सिर्फ बॉडी लैंग्वेज,हाव-भाव, चेहरे की मुद्रा और आई कॉन्टैक्ट ही शामिल नहीं होते,बल्कि कई एक्सपर्ट आवाज की टोन और उतार-चढ़ाव को भी इसी कैटिगरी में रखते हैं। कोई कैंडिडेट इंटरव्यू में तभी सक्सेस हासिल कर सकता है जब वह तमाम सावधानियों के साथ-साथ बोलने के स्टाइल पर भी कंट्रोल रखे।काफी प्रैक्टिस के बावजूद ऐसे कम्यूनिकेशन पर पूरी तरह कंट्रोल नहीं किया जा सकता ।जिससे मन के भाव किसी न किसी रूप में सामने आ ही जाते हैं। खासतौर पर इंटरव्यू की बात करें तो शब्दों का महत्व सिर्फ 10 प्रतिशत होता है। बाकी चीजें नॉन वर्बल कम्यूनिकेशन से तय होती हैं।

कैसी हो इंटरव्यू के समय आपकी बॉडी लैंग्वेज-

- इंटरव्यू रूम में एंट्री करते ही बॉडी लैंग्वेज का सबसे पहला टूल हाथ मिलाना होता है। इंटरव्यूअर से हाथ मिलाते वक्त नर्वस न हों। इस दौरान आपकी थोड़ी सी भी झिझक सेल्फ कॉन्फिडेंस की कमी का संकेत होगी।
- आप किस तरह बैठते हैं यह भी महत्वपूर्ण है। अगर आप कुर्सी के एक किनारे की तरफ बैठेंगे तो भले ही जोश से भरे दिखाई दें लेकिन इससे आपका डर भी झलकेगा। मानो आप किसी भी समय कमरे से बाहर भागना चाहते हैं।?
- आपके हाथों की गतिविधियों से आपकी नर्वसनेस नहीं झलकनी चाहिए। इसलिए इंटरव्यू के दौरान सीट पर बैठकर न तो अपने नाखून कुतरिए ,न बालों पर हाथ फेरिए और न ही हाथों को मसलिए।

बड़े होते ही केरियर का सपना देखन क्यों बंद कर देता है बच्चा

हमारी बचपन की यादों में यह भी शामिल रहता है कि हम क्या बनना चाहते थे? पायलट से लेकर डॉक्टर-इंजीनियर बनने के सपने देखने वाला नन्हा बच्चा बड़ा होकर क्या वाकई वह बन पाता है, जो उसे बनना है। फिर ऐसा क्या हो जाता है कि वह अपने करियर का सपना देखना ही बंद कर देता है।

बचपन ही अच्छा होता है, यह बात बड़े होकर हमें समझ में आती है। कॉलेज और स्कूल के दिन जिंदगी का सबसे खूबसूरत दिन होते हैं, यह बात हमें बड़े होने के बाद ही समझ आती हैं। बचपन में घर पर कोई मेहमान आ जाए औकाफी देर तक वह जाने का नाम नहीं लेता है तब घर का सबसे छोटा सदस्य यह कहने से भी बाज नहीं आता कि अंकल आप कब जाओगे? क्योंकि उसे शिष्टाचार की आदत नहीं, उसे समाज के आडंबरों से कोई मतलब नहीं। इसके अलावा कोई इन नन्हों से पूछ लेता है कि बड़े होकर आप क्या बनोगे? तब बड़े ही मासूम से जवाब होते हैं। कोई फायटर पायलट बनना चाहेगा तो कोई डॉक्टर तो कोई इंजीनियर।

उन्हें इस बात का कोई एहसास नहीं होता हैकि ये बनने में उन्हें कितनी बाधाओं को पार करना पड़ेगा। उनका लक्ष्य तो बस जो मन में ठान लिया है वही बनना है।कितना निःछल लक्ष्य है, जिसे पाने का पूर्ण आत्मविश्वास इन बच्चों में होता है। वे आपसे भी तरह-तरह के ऐसे प्रश्न करेंगे, जिनका जवाब आप नहीं दे सकते। हम आसमान क्यों नहीं छू सकते? आप जवाब नहीं देंगे तब वे स्पाइडरमैन या सुपरमैन को बुलाकर अपने प्रश्नों का उत्तर जरूर खोज लेंगे। आप जवाब नहीं दे सकते। बच्चों की कल्पनाएँ भी बड़ी ही अच्छी होती हैं। वे किसी का भी उत्तर संसार के किसी अन्य वस्तु से जोड़कर देख लेते हैं। उनके लिए उनके माता-पिता नायक-नायिका हैं और उन्हीं के बल पर वे संसार में किसी से भी लड़ भिड़ सकते हैं और अपने मुकाम पाने की ताकत रखते हैं।हम बड़े हो जाते हैं तब बचपना कहीं खो जाता है यह बात निश्चित है, पर बचपन में हमारे सपने देखने का पैमाना कितना बड़ा था, हम किसी भी बाधा को न जानते हुए लक्ष्य की बातें करते थे। फिर ऐसा क्यों हो जाता है कि बड़े होने के बाद उन कल्पनाओं को ताले लग जाते हैं और हम लक्ष्य की बात न कर बाधाओं को लेकर बैठ जाते हैं और तमाम तरह की नकारात्मक बातें सोचने लग जाते हैं।दोस्तों जिंदगी बहुत सरल और सहज होती है और इसमें लक्ष्य पाना भी बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं होता है, पर हम जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, अपनी अक्ल लगाते हैं और जिंदगी में आने वाली बाधाओं का विश्लेषण अपने मन से करने लगते हैं और इन विश्लेषणों के मकड़जाल में उलझकर असल लक्ष्य को भूल जाते हैं। बचपन को जिंदा रखोगे तब न केवल जिंदगी में लक्ष्य पाना आसान होगा।बल्कि सपनों का कैनवास भी बड़ा होगा।

यकीन नहीं होता तब थोड़ा समय बच्चों के साथ बिताएँ, उन्हें समझें और यह भी समझें कि वे दुनिया को किस नजरिए से देखते हैं। वे भी इसी माहौल में जी रहे हैं, पर उनका कोमल मन कहता है कि वे जरूर पायलट बनेंगे या जो भी जी में आए बन सकते हैं।कभी अपने आपको बच्चा बनाकर भी देखो। फिर देखना समस्याएँ बौनी नजर आएँगी और अपने आपमें आत्मविश्वास आएगा कि बचपन में जो पायलट बनने का ख्वाब देखा करता था, आज वह जरा-सी नाकामी से हताश कैसे हो सकता है। मुश्किलों से लडना है तो अपने दिल में एक बच्चा जरूर रखिए...

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने 'सीधे-सादे' अमेरिका को धोखा दिया, अब अमेरिका सीख रहा कि उसके सच्चे मित्र कौन: हेली

वाशिंगटन।

पूर्व शीर्ष भारतीय-अमेरिकी राजनयिक निक्की हेली ने कहा कि चीन ''भोले-भाले अमेरिका और उसके नेताओं को पिछले कई दशक तक छलता रहा और ट्रंप प्रशासन अब अपनी मजबूत हिंद-प्रशांत रणनीति से जान रहा है कि उसके असली दोस्त कौन हैं। संयुक्त राष्ट्र के लिए अमेरिका की पूर्व राजदूत ने 'अमेरिका भारत सामरिक एवं साझेदारी मंच' (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा डिजिटल रूप से आयोजित तीसरे भारत-अमेरिकी नेतृत्व शिखर वार्ता में मंगलवार को कहा कि अमेरिकियों को पता है कि भारतीय उनके लिए खतरा नहीं हैं और अब भारतीयों के लिए अपनी सफलता की कहानी साझा करने का समय है। अमेरिका रणनीतिक महत्व वाले हिंद-प्रशांत में भारत पर बड़ी भूमिका निभाने के लिए जोर डाल रहा है जिसे कई देश क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत को रोकने के प्रयास के तौर पर देख रहे हैं। हेली ने कहा, चलिए देखते हैं कि चीन ने यह किया कैसे। चीन बहुत रणनीतिक था। यह बहुत सोचा-समझा था और अमेरिका बहुत सीधा-सादा था। अमेरिका के नेताओं ने सोचा कि अगर वह चीन के साथ अच्छे रहेंगे, अगर वह चीन के लिए दरवाजे खोलेंगे तो वह पश्चिम की तरह ज्यादा बनेगा और चीन ज्यादा लोकतांत्रिक होगा। मास्टरकार्ड के सीईओ एवं अध्यक्ष अजय बांगा की तरफ से पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऐसा सोचना दोनों पक्ष - रिपब्लिकन और डेमोक्रेट नेताओं की तरफ से था, सभी का मानना था कि अगर अमेरिका चीन के प्रति अच्छा रहेगा तो गठबंधन हो सकता है। पूर्व राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझना होगा कि चीन साम्यवादी बने रहना चाहता है और वे नहीं बदलने वाले। उन्होंने कहा, इस हिंद-प्रशांत रणनीति के माध्यम से, आगे बढ़ते हुए अमेरिका सीख रहा है कि उसके असल दोस्त कौन हैं। जब आप देखेंगे तो हां यह भारत निकलेगा।

वॉल्व लगे फेसमास्क से कोविड-19 को खत्म करने के प्रयास हो सकते हैं बाधित : अध्ययन

वाशिंगटन।

छींकने या खांसने अथवा बात करने के दौरान मुंह से निकलने वाले सूक्ष्म कणों को रोकने में नियमित मास्क के मुकाबले वॉल्व लगे फेसमास्क या फेस शील्ड संभवतः उतने प्रभावी नहीं है। ऐसे में शोधकर्ताओं ने पाया कि वॉल्व वाले फेसमास्क से कोविड-19 को खत्म करने के प्रयास बाधित हो सकते हैं। अमेरिका में फ्लोरिडा अटलांटिक विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों ने फेस शील्ड और वॉल्व वाले मास्क द्वारा सूक्ष्म बूंदों के प्रसार को बाधित करने संबंधी प्रदर्शन के गुणात्मक दृश्यांकन का इस्तेमाल किया। उन्होंने पाया कि नियमित मास्क के इन विकल्पों का सार्वजनिक रूप से व्यापक इस्तेमाल का संभवत- महामारी को खत्म करने के प्रयासों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स नाम की पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लिये शोधकर्ताओं ने एक प्रयोगशाला में लेजर प्रकाश परत का इस्तेमाल करते हुए प्रवाह दृश्यांकन को संयोजित किया और आसुत (डिस्टिल्ड) जल व ग्लिसरीन के मिश्रण को कृत्रिम कफ वेग के तौर पर इस्तेमाल किया। उन्होंने एक पुतले के मुंह से सुक्ष्म बूंदों को छींकने की गति से निकलवाया। प्लास्टिक के फेस शील्ड और वॉल्व युक्त एन-95 फेस मास्क का इस्तेमाल कर फ्लोरिडा अटलांटिक विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर और इस अध्ययन के मुख्य लेखक सिद्धार्थ वर्मा समेत शोधकर्ताओं ने इन बूंदों के मार्ग और ये कैसे प्रदर्शन करती हैं यह पता लगाया। शोधकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन के नतीजे दर्शाते हैं कि फेस शील्ड से मुंह से निकलने वाली बूंदों का शुरुआती अग्रिम प्रवाह बाधित होता है लेकिन बूंदें सुगमता से शील्ड से बाहर निकल जाती है और व्यापक दायरे में फैल जाती हैं। उन्होंने कहा कि वहीं वॉल्व वाले फेसमास्क के नतीजें देखने पर पता चलता है कि बड़ी संख्या में बूंदें निर्बाध रूप से वॉल्व से एक उपाय के तौर पर उनकी प्रभाव क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से कम करता है।

ट्रंप, पोम्पिओ ने प्रणब मुखर्जी के निधन पर शोक जताया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने मुखर्जी को एक महान नेता बताते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व से भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने में मदद मिली और मजबूत अमेरिका-भारत साझेदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ । मुखर्जी का सोमवार को निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे । ट्रंप ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन की जानकारी मिलने पर मुझे दुख हुआ। उन्होंने कहा, एक महान नेता के निधन से शोकसंतप्त उनके परिवार और भारत के लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना भेजता हूं।'' इससे पहले विदेश मंत्री ने कहा था कि मुखर्जी के निधन से अमेरिका को गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि आधी सदी से अधिक लंबे बेहतरीन सफर में मुखर्जी ने एक सांसद, कैबिनेट मंत्री और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के राष्ट्रपति के रूप में भारत के लोगों की ओर से अथक प्रयास किया। पोम्पिओ ने एक बयान में कहा, उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उदय में मदद की और मजबूत अमेरिका-भारत साझेदारी का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति मुखर्जी की कई उपलब्धियों के कारण भारत अधिक समृद्ध और सुरक्षित बना। विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री के रूप में, उन्होंने ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु करार और अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी की नींव में अहम भूमिका निभायी...।''

बाइडेन ने जैन समुदाय को 'पर्यूषण और दशलक्षण' की बधाई दीभारत, ध्यान नहीं रखते : ट्रंप

वाशिंगटन।

डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एवं पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन ने पर्यूषण और दशलक्षण उत्सव के समापन दिवस पर जैन समुदाय को बधाई दी। बाइडेन ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, कामना है कि हम सबको हमने जीवन में शांति एवं संतोष मिले। मिच्छामी दुक्कड़म और क्षमावाणी। पर्यूषण पर्व के दौरान हर साल जैन श्रद्धालु आठ से 10 दिन तक उपवास और ध्यान करते हैं। अमेरिका में 1,50,000 से ज्यादा जैन रहते हैं जो भारत के बाहर समुदाय की सबसे अधिक आबादी है। जैन आचार्य एवं अहिंसा विश्व भारतीय आचार्य के संस्थापक, लोकेश मुनि ने बाइडेन के संदेश का स्वागत किया। जैन आचार्य ने ट्वीट किया, इस पावन अवसर पर आपकी शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया श्रीमान बाइडेन। हमें अपनी गलतियों का एहसास करने और क्षमा मांगने के लिए साहसिक बनना चाहिए तथा क्षमा करने के लिए ।

बाइडेन फॉर प्रेसीडेट एवं राष्ट्रीय एएपीआई नेतृत्व परिषद के सदस्य अजय भूटोरिया ने कहा कि यह देखना सुखद है कि बाइडेन विश्व भर के समुदायों को मान्यता दे रहे हैं और सभी धर्म, रंग, पंथ एवं मूल स्थान के लोगों को एकजुट कर रहे हैं। सिलिकॉन वैली के उद्यमी भूटोरिया ने कहा, ÷बाइडेन अमेरिकी नेतृत्व को बहाल कर रहे हैं। वह राष्ट्रपति पद के पहले अमेरिकी प्रत्याशी हैं जिन्होंने जैन समुदाय के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक- अनंत चतुर्दशी को माना। आज सुबह, जो बाइडेन ने पर्यूषण और दशलक्षण के समापन पर जैन समुदाय को बधाई दी और कहा 'मिच्छामी दुक्कड़म और क्षमावाणी। दशलक्षण के समापन पर जैन समुदाय को बधाई दी और कहा 'मिच्छामी दुक्कड़म और क्षमावाणी। जैन शिक्षा एवं शोध संगठन बोर्ड के संस्थापक निदेशक एवं सह-प्रमुख निर्मल वैद ने कहा कि जैन समुदाय बाइडेन के

संक्षिप्त समाचार

फेसबुक ने अमेरिकी चुनाव से पहले रूस के नेटवर्क को सोशल मीडिया से हटाया

वॉशिंगटन। फेसबुक ने मंगलवार को बताया कि कंपनी ने अमेरिका में होने वाले चुनाव से पहले रूस की इंटरनेट रिसर्च एजेंसी से जुड़ी एक छोटे नेटवर्क के अकाउंटों और पेजों को हटाया है। कंपनी ने इसे 'ट्रोल फैक्टरी बताया है, जो इस तरह के सोशल मीडिया अकाउंटों का इस्तेमाल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ही अमेरिका की राजनीतिक कटुता पैदा करने के लिए कर रहे हैं। इन अकाउंटो को चलाने वाले नेटवर्क ने 'बेखबर रहने वाले स्वतंत्र पत्रकारों की भर्ती अंग्रेजी और अरबी भाषा में पोस्ट करने के लिए की। इन पोस्टों के जरिए मुख्य रूप से वाम झुकाव वाले पाठकों को आकर्षित करना था। फेसबुक ने मंगलवार को कहा कि नेटवर्क सक्रिय रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, अल्जीरिया और मिस्र समेत अन्य अंग्रेजी बोलने वाले देशों और पश्चिम एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका पर केंद्रित था। कंपनी ने कहा कि ने इस नेटवर्क के बारे में फेसबुक से इतर गतिविधियों के आधार पर जानकारी दी थी जिसके बाद फेसबुक ने जांच शुरू की।। फेसबुक ने बताया कि यह नेटवर्क अभी अपने शुरुआती चरण में ही था और इसे हटाए जाने से पहले इस पर 'लगभग न के बराबर इंगेजमेंट (पढ़ना, लाइक, कमेंट या शेयर) था। नेटवर्क 13 फेसबुक अंकाउंट और दो पेज चलाता था।

शार्ली हेब्दो ने पैगंबर मोहम्मद के कार्टून को फिर छापने पर कहा - हार नहीं मानेंगे

पेरिस। फ्रेंच व्यंग्य सासाहिक शार्ली हेब्दो ने मंगलवार को कहा कि वह पैगंबर मोहम्मद के बेहद विवादास्पद कार्टून को फिर से प्रकाशित कर रहा है ताकि हमले के कथित अपराधियों के इस सप्ताह मुकदमे की शुरुआत हो सके। मैगजीन के डायरेक्टर लौरेंट रिस सौरीस्यू ने लेटेस्ट एडिशन में कार्टून को फिर से छापने को लेकर लिखा, हम कभी झुकेंगे नहीं, हम कभी हार नहीं मानेंगे। बता दें कि 7 जनवरी, 2015 को पेरिस स्थित शार्ली हेब्दो के कार्यालय में दो आतंकी भाइयों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं थीं। इस आतंकी हमले में 12 लोग मारे गए थे। इनमें से कुछ मशहूर कार्टूनिस्ट थे। हमलावरों ने एक सुपरमार्केट को भी अपना निशाना बनाया था। इस मामले में पेरिस में बुधवार से ट्रायल शुरू हो रहा है। मैगजीन के हालिया संस्करण में कवर पेज पर दर्जनभर कार्टून छापे गए हैं। कवर पेज के बीच में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून है। जीन काबूट ने इसे बनाया था। उन्हें काबू नाम से भी जाना जाता था। 2015 में हुए हमले में उनकी जान चली गई थी। फ्रंट पेज की हेडलाइन है, यह सब, बस उसी के लिए।

मादा अजगर के लिए भिड़ गए 2 विशालकाय सांप ! रसोई की छत का कर दिया ऐसा हाल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में 2 अजगरों की लड़ाई से घर की छत गिरने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यहां एक शख्स जब अपने घर पहुंचा तो अंदर का नजारा देख कर हैरान रह गया। उसने देखा कि उसकी रसोई की छत बारिश, तूफान या भूचाल के बिना ही गिरी हुई। पहले तो उसे उसे छत गिरने की वजह समझ नहीं आई लेकिन जब उसने गौर से घटना का मुआयना किया तो उसके होश उड़ गए। दरअसल रसोई की छत दो बड़े अजगरों के वजन के नीचे ढह गई थी। घटना क्वींसलैंड राज्य के लेसिस क्रीक में घटी । घर के मालिक डेविड टैट ने सोमवार को बताया कि जब बाजार से उसने अपने घर में प्रवेश किया तो रसोई की छत का एक बड़ा हिस्सा मेज पर पड़ा पाया। उन्होंने चारों ओर नजर दौड़ाई तो 2 विशाल अजगर नजर आए जिससे उन्हें सारा माजरा समझ में आ गया। उन्होंने बताया संभवतः छत की सीलिंग में छुपे इन दोनों अजगरों की आपस में लड़ाई हो गई और उनका वजन न सहने पर सीलिंग टूट कर नीचे गिर गई। वो इस बात से हैरान था कि 2.8 मीटर (9 फुट, 2 इंच) और 2.5 मीटर (8 फुट, 2 इंच) लंबे ये अजगर सीलिंग के अंदर घुसे कैसे। छत गिरने के बाद दोनों अजगर बेडरूम और लिविंग रूम में खिसक गए थे। ब्राउन ने कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों नर अजगर मादा साथी जो छत के पास थी के लिए भिड़ गए थे । उन्हें संदेह था कि मादा अजगर अभी भी छत या पास में हो सकती है।

बाइडेन अभियान ने अमेरिका में हिंदुओं को लुभाने के लिए पहल शुरू की

वाशिंगटन। 'बाइडेन अभियान' ने अमेरिका में हिंदू समुदाय के 20 लाख से अधिक सदस्यों को अपने पक्ष में करने तथा घृणा अपराध समेत उनकी अन्य समस्याओं को सुलझाने का वादा करते हुए 'हिंदू अमेरिकन्स फॉर बाइडेन' पहल शुरू होने की घोषणा की है। आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि इलिनोइस से भारतीय-अमेरिकी सांसद, राजा कृष्णमूर्ति बृहस्पतिवार को 'हिंदूज फॉर बाइडेन' की पहली बैठक को संबोधित करेंगे। बाइडेन अभियान का यह कदम ट्रंप अभियान की 14 अगस्त की घोषणा के करीब दो हफ्ते बाद उठाया गया है जिसने 'हिंदू वॉयसेज फॉर ट्रंप' के गठन की घोषणा की थी। तीन नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में, डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति पद के लिए उनकी सहयोगी कमला हैरिस रिपब्लिकन राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति माइक पेंस को चुनौती देंगे। यह अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के इतिहास में संभवतः पहली बार है कि दो बड़े राजनीतिक दलों ने देश में हिंदुओं तक पहुंच के लिए ऐसी पहल की है। इस कदम को अमेरिका में हिंदुओं की बढ़ती राजनीतिक प्रमुखता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हिंदू धर्म अमेरिका में चौथा सबसे बड़ा धर्म है ।

क्षेत्रीय, नौवहन संबंधी दावों के लिये चीन प्रतिरोधी रणनीति अपना रहा है: पेंटागन

वाशिंगटन।

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन की एक रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण और पूर्वी चीन सागर तथा भारत व भूटान से लगने वाली सीमाओं पर अपने क्षेत्रीय और नौवहन संबंधी दावों को अमल में लाने के लिये चीन प्रतिरोधी रणनीति अपना रहा है। चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से अपना सैन्य और आर्थिक प्रभाव फैला रहा है जिससे क्षेत्र और उसके बाहर के विभिन्न देशों में चिंता है। अमेरिकी संसद को चीन पर दी गई अपनी वार्षिक रिपोर्ट में मंगलवार को पेंटागन ने कहा, चीन के उद्देश्य की पूर्ति के लिये चीन के नेता सशस्त्र संघर्ष जैसे हथकंडे अपनाते हैं।

चीन अपनी बलपूर्वक गतिविधियों को अमेरिका, उसके सहयोगियों व साझेदारों या हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अन्य के साथ सशस्त्र संघर्ष के लिये उकसाने की हद तक ले आया है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से संबंधित सैन्य एवं सुरक्षा गतिविधियां शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया, दक्षिण और पूर्वी चीन सागर के साथ ही भारत व भूटान के साथ लगने वाली उसकी सीमाओं पर चीन के क्षेत्रीय व नौवहन संबंधी दावों की पूर्ति के लिये अपनाए जाने वाले यह हथकंडे खास तौर पर स्पष्ट होते हैं। पेंटागन की 200 पन्नों वाली इस रिपोर्ट में हालांकि भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा पर हाल के गतिरोध का कोई जिक्र नहीं है। चीन दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में उसके क्षेत्रीय दावों को मिलने वाली चुनौती से विवादों में घिरा है। चीन ने इस क्षेत्र में अपने नियंत्रण वाले कई द्वीपों और क्षेत्रों का सैन्यीकरण किया और वहां आधारभूत ढांचा बढ़ाया है। दोनों ही क्षेत्र खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से समृद्ध बताए जाते हैं और वैश्विक व्यापार के लिहाज से अहम हैं।

पेंटागन ने चीन के परमाणु हथियारों की तैयारी को लेकर किया बड़ा खुलासा, बढ़ेगी दुनिया की टेंशन

वाशिंगटन।

कोरोना महामारी और अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते चीन दुनिया के कई देशों से अपने संबंधों को बिगाड़ चुका है। दुनिया जहां कोरोना संकट से जूझ रही है वहीं अलग-थलग पड़ा ड्रेगन अब अपने परमाणु हथियारों को दोगुना करने की तैयारी कर रहा है। पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि चीन इस दशक के अंत तक अपने परमाणु वॉरहेड को दोगुना करने के प्रयासों में हैं। ये वॉरहेड जमीन के साथ ही समुद्र और हवा में बैलिस्टिक मिसाइलों लॉन्च करने में सक्षम हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के पास 200 से कम परमाणु वॉरहेड हैं जिनकी संख्या अगले 10 सालों में दोगुनी हो सकती है। भारत के तीन पड़ोसी देशों समेत करीब एक दर्जन देशों में चीन मजबूत ठिकाना स्थापित करने का प्रयास कर रहा है ताकि लंबी दूरी से भी वह अपना सैन्य दबदबा बनाये रख सके । पेंटागन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यामां के अलावा चीन थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, सेशल्स, तंजानिया, अंगोला और तजाकिस्तान में अपने ठिकाने बनाने पर विचार कर रहा है। पेंटागन ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलप्मेंटस इंवॉल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना 2020 में यह जानकारी दी। उसने यह रिपोर्ट मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी थी। पेंटागन ने कहा कि ये संभावित चीनी ठिकाने जिबूती में चीनी सैन्य अड्डे के अलावा हैं, जिनका उद्देश्य नौसेना, वायु सेना और जमीनी बल की कार्यों को और मजबूती प्रदान करना है। पेंटागन ने रिपोर्ट में कहा, '' पीपल्स लिबरेशन आर्मी के सैन्य अड्डों का नेटवर्क अमेरिकी सैन्य अभियानों में हस्तक्षेप कर सकता है और पीआरसी के वैश्विक सैन्य उद्देश्यों के तहत अमेरिका के खिलाफ आक्रामक अभियानों का समर्थन कर सकता है। उसने कहा कि चीन ने पहले ही नामीबिया, वनुआटू और सोलोमन द्वीपों पर पहले से ही अपना कब्जा जमा लिया है। पेंटागन ने कहा कि बीजिंग अपने विकास के लिए वैश्विक परिवहन और व्यापार संबंधों का विस्तार करने और अपनी परिधि तथा उसके बाहर देशों के साथ अपने आर्थिक एकीकरण को गहरा करने की राष्ट्रीय कायाकल्प की अपनी रणनीति को सफल बनाने के लिए 'एक सीमा एक सड़क का सहारा लेता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी संयुक्त सैन्य अभियानों पर भी ध्यान दे रही है, ताकि ताइवान की तरफ से अमेरिकी सेना की किसी भी कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

पेंटागन की यह रिपोर्ट अमेरिका की चिंता बढ़ा सकती है। क्योंकि इसमें कहा गया है कि चीनी सेना ने जहाज निर्माण, लैंड-बेस्ड बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों और वायु रक्षा प्रणालियों जैसे कई क्षेत्रों में अमेरिकी सेना के समान क्षमता हासिल कर ली है या उससे आगे निकल गई हैय़

क्या चीन को मिलकर टक्कर देगी भारत, अमरीका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की चौकड़ी?

नई दिल्ली। तीन माह से लद्दाख की सीमा पर भारत व चीन के बीच तनाव बना हुआ है। जून महीने में जब दोनों देशों की सेना में हिंसक झड़प हुई तो अमरीका ने भारत के समर्थन में पहला बयान दिया था। एक बार फिर सीमा पर तनाव की खबरें हैं। इस बार गलवान घाटी की जगह पैंगांग लेक के पास झड़प हुई है। भारत चीन के बीच सीमा पर तनाव की घटनाओं पर पूरी दुनिया की नजर अमरीका के उप-विदेश मंत्री स्टीवन बीगन ने तनाव के मद्देनजर एक बयान में कहा कहा है कि जल्द ही भारत, अमरीका, जापान और ऑस्ट्रेलिया (क्वाड)के विदेश मंत्रियों की एक औपचारिक मुलाकात दिल्ली में होगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम में संवाद के दौरान स्टीवन बीगन ने यह बात कही। इस संवाद सत्र का संचालन रिचर्ड वर्मा कर रहे थे, जो भारत में अमरीका के राजदूत रह चुके हैं। भारत, अमरीका, जापान और ऑस्ट्रेलिया इन चारों देशों के समूह को 'दि क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग' (क्यूसिड) या क्वाट के नाम से जाना जाता है। चारों देशों के बीच अनौपचारिक राजनैतिक बातचीत के मकसद से 2007 में इसके गठन का प्रस्ताव आया था। जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने यह सुझाव रखा था जिसे भारत, अमरीका और ऑस्ट्रेलिया ने समर्थन दिया। पैंगांग लेक के तट परभारत व चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बात अमरीका के मंत्री की ओर से आए बयान के बाद वैश्विक स्तर पर इस मामले को अब गंभीरता से लिया जा रहा है। आस्ट्रेलिया की चीन से पहले ही तनातनी है।

पूरी दुनिया चीन के खिलाफ एकजुट होनी शुरू: पोम्पिओ

वाशिंगटन।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि चीन के अनुचित रुख के खिलाफ पूरी दुनिया एकजुट होना शुरू हो गई है और हर मोर्चे पर चीन को पीछे धकेलने के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका के साथ साझेदारी कर रहे हैं। अमेरिका वीजा पाबंदियों, प्रतिबंधों और अन्य माध्यमों से चीन दबाव बढ़ा रहा है जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के पहले से तल्ख रिश्तों में और कड़वाहट आई है। ' मंगलवार को दिए एक साक्षात्कार में पोम्पिओ ने कहा, मुझे लगता है कि आप देख रहे हैं कि इस मूल समझ को लेकर पूरी दुनिया एकजुट होना शुरू हो गई है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी निष्पक्ष, परस्पर और पारदर्शी तरीके से प्रतिस्पर्धा करने से इंकार करने जा रही है।

भारत द्वारा कथित तौर पर दक्षिण चीन सागर में युद्धपोत भेजे जाने से जुड़े मेजबान लोउ डॉब्स के एक सवाल के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, इसलिए, चाहे वह भारत में हमारे दोस्त हों, ऑस्ट्रेलिया में हमारे दोस्त हों, जापान या दक्षिण कोरिया में हमारे दोस्त हों, वो सभी अपने लोगों, अपने देश को होने वाले खतरे देख रहे ह भारत द्वारा कथित तौर पर दक्षिण चीन सागर में युद्धपोत भेजे जाने से जुड़े मेजबान लोउ डॉब्स के एक सवाल के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, इसलिए, चाहे वह भारत में हमारे दोस्त हों, ऑस्ट्रेलिया में हमारे दोस्त हों, जापान या दक्षिण कोरिया में हमारे दोस्त हों, वो सभी अपने लोगों, अपने देश को होने वाले खतरे देख रहे हैं और आप उन्हें (चीन को) पीछे धकेलने के लिए अमेरिका के साथ साझेदारी करते हुए देखेंगे, हर उस मोर्चे पर जिसके बारे में हमनें आज शाम बात की। डॉब्स ने कहा कि भारत का यह कदम सीमा पर चीन के साथ झड़प के खिलाफ जवाब था और दक्षिण चीन सागर में मौजूद अमेरिकी नौसेना के साथ नजदीकी था। डॉब्स चीन के खतरे का मुकाबला करने के लिये भारत के साथ अमेरिकी रिश्तों का महत्व जानना चाहते थे। पोम्पिओ ने कहा, यह अहम है कि इस जंग में हमारे पास दोस्त और सहयोगी हैं। हमने इसके लिये दो साल से काम किया है। हमनें वास्तविक प्रगति की है। आपने हुआवेई से बहुत से लोगों को पलटते देखा होगा। आपने उन्हें खतरे को महसूस करते देखा होगाज़।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी के सांसदों और मंत्रियों को मिली अहम जिम्मेदारी, जनता का मूड भांपने का दिया गया निर्देश

पटना।

बिहार में विरोधियों को मात देने के लिए बीजेपी ने अपने सांसदों को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। बीजेपी ने सांसदों को अपने क्षेत्र में लोगों के बीच रहकर उनके लिए काम करने का निर्देश दिया है। विधानसभा चुनाव से पहले अश्विनी चौबे, नित्यानंद राय, गिरिराज सिंह और आरके सिंह को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीजेपी ने अपने सांसदों को जनता का मूड भांपने का गुरू मंत्र दिया है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय को अलग-अलग जातियों और धार्मिक समूहों से मिलने का निर्देश दिया गया है। इससे केंद्रीय नेतृत्व को बिहार की अलग-अलग जातिय समूहों की अपेक्षाओं और मांगों के बारे में पता चलेगा। हो सकता है इन मांगों को पार्टी के मैनिफेस्टो में एडजस्ट किया जाए। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने मंत्रियों और सांसदों को विधानसभा चुनाव तक बिहार में ही टिके रहने का निर्देश दिया है। साथ ही बिना आदेश के बिहार से बाहर जाने से भी इन मंत्रियों और सांसदों को मना कर दिया है। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व झारखंड में मिली हार के बाद से फूंक फूंक कर रणनीति बना रही है। केंद्रीय नेतृत्व को लग रहा है कि चुनावी अभियान में बिहार के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों से भी जोड़ने से। जमीनी हकीकत का पता दिल्ली तक सही समय पर आएगा। साथ ही बीजेपी के सांसद भी पूरे चुनावी मिशन में खुद को जोड़ पाएंगे। एक तरह से ये कहा जा सकता है कि झारखंड में मिली हार से बीजेपी ने एक बड़ा सबक सिखा है। अब पार्टी के राज्य स्तर के नेताओं के इनपुट के साथ ही सांसदों की राय को मिलाकर ही कोई अंतिम रणनीति तैयार की जाएगी। दरअसल झारखंड में बीजेपी के राज्य स्तर के नेताओं के इनपुट के आधार पर ही सुदेश महतो को दरकिनार कर दिया गया था। नतीजा ये हुआ कि महागठबंधन ने वोटों के बिखरने का लाभ उठाकर कई सीटों को अपने पाले में कर लिया।

'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल पर नहीं लगेगी रोक, उच्च न्यायालय ने पूछा- रिलीज के बाद क्यों किया विरोध?

नेशनल डेस्क।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेटफिलक्स की फिल्म 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल के प्रसारण पर रोक लगाने से बुधवार को इनकार कर दिया। केन्द्र ने अपनी याचिका में कहा था कि यह फिल्म भारतीय वायु सेना की गलत छवि पेश कर रही है। न्यायमूर्ति राजीव शकधर ने केन्द्र से पूछा कि उसने 'ओवर द टॉप (ओटीटी) मंच पर फिल्म के प्रदर्शन से पहले अदालत का रुख क्यों नहीं किया। साथ ही कहा कि अब कोई आदेश पारित नहीं किया जा सकता क्योंकि फिल्म प्रदर्शित हो गई है। केन्द्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने कहा कि फिल्म से भारतीय वायु सेना की छवि धूमिल हो रही है, क्योंकि इसमें दिखाया गया कि बल मैं लैंगिक भेदभाव होता है, जो सही नहीं है।

उच्च न्यायालय ने फिल्म का प्रसारण रोकने के आग्रह वाली केन्द्र की याचिका पर 'धर्मा प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड और नेटफ्लिक्स से जवाब मांगा है। आग्रह वाली केन्द्र की याचिका पर 'धर्मा प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड और नेटफ्लिक्स से जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि पूर्व फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना को भी मामले में एक पक्ष बनाना चाहिए और उन्हें नोटिस जारी करते हुए उनसे भी जवाब मांगा। फिल्म 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल 12 अगस्त को ओटीटी मंच पर प्रदर्शित हुई थी।

अठावले की सिब्बल और आजाद को सलाह, हो रहा कांग्रेस में अपमान तो सिंधिया जैसा कदम उठाएं

नेशनल डेस्क। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कपिल सिब्बल और गुलाम नबी आजाद को भाजपा में शामल होने की सलाह दी है। अठावले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी ही पार्टी के नेताओं कपिल सिब्बल और गुलाम नबी आजाद पर आरोप लगा रहे हैं, उन्हें भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए, हम उनका स्वागत करने को तैयार हैं। रामदास अठावले ने कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि एनडीए अभी सत्ता में लौटती रहेगी और चूंकि कांग्रेस के सीनियर नेताओं पर भाजपा के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप लगा है तो ऐसे में उन नेताओं को भी ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा कदम उठाना चाहिए और भाजपा में आ जाना चाहिए। अठावले ने कहा कि अगर इन नेताओं का कांग्रेस में अपमान किया जा रहा है तो उन्हें कांग्रेस छोड़ देनी चाहिए जैसा ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया था, यहां तक कि सचिन पायलट ने भी ऐसा ही किया, लेकिन वह समझौता कर गए। अठावले ने कहा कि कांग्रेस को स्थापित करने वाले लोगों को राहुल गांधी द्वारा दोष ठहराना गलत है। चिट्ठी लिखने वालों में गुलाम नबी आजाद और कपिल सिब्बल भी शामिल थे। राहुल गांधी ने चिट्ठी लिखने वाले नेताओं पर भाजपा से मिले होने की बात कही थी।

ऑफ द रिकॉर्डः सर्वे कंपनी ने दी भाजपा को सलाह, इस बार बिहार में अकेले लड़ो चुनाव

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सभी दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। भाजपा-जनता दल (यू) तथा लोक जनशक्ति पार्टी (एल.जे.पी.) के बारे में यद्यपि ये घोषणाएं की जा रही हैं कि तीनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे परंतु अभी कुछ भी पक्का नहीं है। यदि भाजपा हाईकमान के करीबी सूत्रों की मानें तो पूरे बिहार के लिए एक व्यापक सर्वे कराया गया था। यह सर्वे एक नामी एजैंसी ने किया। एजैंसी ने भाजपा हाईकमान को बताया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोविड तथा बाढ़ से निपटने के दौरान जनता में अपना विश्वास खो चुके हैं। ऐसे में भाजपा को जोखिम उठाकर बिहार में चुनाव अकेले लडऩा चाहिए तथा यह भाजपा के लिए राज्य में आगे बढऩे का स्वर्णिम अवसर है। यही कारण है कि भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ बैठक में बिहार के सांसदों ने विधानसभा चुनाव बराबर सीटों पर लडऩे पर जोर दिया। इसका अर्थ हुआ कि 100-100 सीटों पर भाजपा व जद (यू) लड़ें तथा बाकी 43 सीटें एल.जे.पी. व अन्य सहयोगियों के लिए छोड़ी जाएं। नीतीश कुमार भाजपा को 100 सीटें देने को तैयार नहीं हैं। नीतीश कुमार भाजपा को 100 सीटें देने को तैयार नहीं हैं। वह 243 सीटों में से कम से कम 115 सीटों पर चुनाव लडऩा चाहते हैं।

प्रशासन की लापरवाही या कुदरत का कहर ! गरीबों में बांटा जाने वाला 6 करोड़ का चना व गेहूं बर्बाद

बालाघाट।

प्रशासन की लापरवाही और कुदरत के कहर का एक बड़ा मामला सामने आया है। जहां गरीबों को बांटा जाने वाला सरकारी अनाज का गोदाम पूरे दो दिन बाढ़ के पानी में डूबा रहा। जिससे करोड़ों का नुकसान हुआ है। मामला बालाघाट की गोंगलई में बने म.प्र. वेयरहाउस एवं लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन के वेयरहाउस का है जहां 6 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का चना और गेहूं भी पूरी तरह से नष्ट होने की कगार पर है। जानकारी के अनुसार, जिस गोदाम में सरकारी अनाज रखा था वह पूरे 2 दिन तक बाढ़ के पानी में डूबा रहा। ऐसे में चने पर अंकुर और फफूंद लग गए और गोदाम में रखा गया गेहूं अंकुर पड़ा। वहीं वेयर हाऊस के कार्यालय में रखे कुछ दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह चुके है तो बचे कुछे दस्तावेजों को सुखाया जा रहा है। ऐसे में विभाग को रिकॉर्ड संधारित करने में काफी दिक्कत परेशानी हो रही है। गोदामों पर छलिया में जमा यह चना और गेहूं सरकार द्वारा सपोर्ट प्राइस पर किसानों से खरीदा गया था। जिसे बाद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए गरीबों में बांटा जाना था। लेकिन बालाघाट में आई बाढ़ में 6 करोड से अधिक मूल्य की चना और गेहूं पूरी तरह बर्बाद हो रहा है। बोरे पर रखे रखे इस अनाज में घुन लग गया है। बड़े पैमाने पर यह चना अंकुरित हो गया है। वहीं कार्यालय के दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। यदि बाढ़ से हुए नुकसान की बात करें तो

सिर्फ खेत और लोगों के मकान ही नहीं गोदामों में रखा अनाज भी पूरी तरह नष्ट हो गया है अकेले बालाघाट जिले में 1000 से अधिक मकान गिरे हैं और 100 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं फिलहाल प्रशासन बाढ़ से हुई क्षति का आकलन करने में जुटा है।

कोरोना स्थिति में सुधार के बाद भारतीय पर्यटकों को लुभाने की तैयारी में नेपाल

इंटरनेशनल डेस्क।

नेपाल की गंडकी प्रांतीय सरकार कोरोना वायरस की स्थिति में सुधार और यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद भारतीय पर्यटकों को लुभाने की तैयारी कर रही है। नेपाल की इश योजना के अनुसार सरकार ने भारतीय पर्यटकों को सूची में सबसे ऊपर रखने का फैसला किया है। नेपाल के पर्यटन मंत्री बिकास लामशाल ने कहा कि नेपाल के विदेशी पर्यटकों में अधिकतम भारतीय पर्यटक होते हैं। नेपाल के अधिकांश पर्यटक भारतीय हैं और शायद इसीलिए सरकार ने उन्हें अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखने का फैसला किया है। पिछले साल पोखरा-द सिटी ऑफ लेक में आने वाले 12 लाख पर्यटकों में से 40त्न भारतीय पर्यटक थे। वर्ष 2019 में लगभग 11.03 लाख पर्यटकों ने नेपाल का दौरा किया और अधिकांश पर्यटक भारत के थे। ट्रेकिंग, बोटिंग, पैराग्लाइडिंग, कयाकिंग, आदि जैसी गतिविधियाँ नेपाल में बहुत लोकप्रिय हैं। बिकास लमशाल ने कहा कि चूंकि वे इस वर्ष कोरना के कारण पर्यटकों की मेजबानी करने में सक्षम नहीं थे, लेकिन वे आने वाले वर्षों में और अधिक विदेशी पर्यटकों के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि कोरोना वायरस का प्रभाव पर्यटक न आने से होटल व्यवसायी मायूस हैं। पर्यटन उद्योग पर आधारित नेपाल की अर्थ व्यवस्था डगमगा गई है। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर, पोखरा व लुंबिनी आदि स्थानों पर दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भारत की सीमा सोनौली के रास्ते नेपाल जाते हैं।

भुखमरी की कगार पर काशी के 350 कश्ती चालकों के मदद के लिए आगे आए सोनू सूद

वाराणसी।

कोरोना महामारी की वजह से देश के करोड़ों लोगों पर रोजी रोटी का संकट मंडरा रहा है। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी पीछे नहीं है। यहां के 84 घाटों पर कश्ती चलाकर जीवन यापन करने वाले 350 परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। सभी ने मदद के लिए बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद से गुहार लगाई है। गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले सोनू सूद ने भी पीड़ित परिवारों को निराश नहीं किया और ट्वीट के केवल 40 मिनट बाद ही मदद का भरोसा दिलाया। सोनू सूद ने ट्वीट कर कहा, 'वाराणसी घाटों के यह 350 परिवारों का कोई भी सदस्य आज के बाद भूखा नहीं सोएगा। आज मदद पहुँच जाएगी।'' 'होप फाउंडेशन' के दिव्यांशु की टीम ने सोनू सूद से मांगी थी मदद दरअसल 'होप फाउंडेशन' के दिव्यांशु और उनकी टीम पिछले कुछ दिनों से बनारस के दशाश्वमेध घाट, अस्सी घाट, राज घाट सहित अन्य जगहों पर नाविकों को राशन बांटने का कार्य कर रही थी। दिव्यांशु ने बताया कि हम लोगों द्वारा इन नाविकों को कुछ दिन पूर्व राशन तो बांटा गया था, पर काम-काज पूरी तरह बंद हो जाने के चलते नाविकों के सामने पैसे की तंगी हो गई। नाविकों के पास आगे के लिए कुछ भी नहीं बचा है। उन्होंने बताया कि नाविकों की इन्हीं समस्याओं को देखते हुए मंगलवार को सुबह मैंने ट्विटर के जरिए अभिनेता सोनू सूद से इन नाविकों के लिए मदद मांगी और 40 मिनट में ही उनका रीट्वीट आ गया कि आज के बाद ये 350 परिवार भूखे नहीं सोएंगे।

चीन के साथ तनाव के बीच राजनाथ सिंह एससीओ बैठक में शामिल होने के लिए रूस रवाना

नेशनल डेस्क।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन की एक बैठक में हिस्सा लेने के लिए बुधवार को रूस रवाना हो गए। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब संगठन के दो प्रमुख सदस्य भारत और चीन के बीच सीमा पर गतिरोध है। अधिकारियों ने बताया कि चार सितंबर को होने वाली स्ष्टह्र के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के अलावा सिंह अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगू और कई अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय सैन्य सहयोग बढ़ाने को लेकर बातचीत करेंगे। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंघे और पाकिस्तानी रक्षा मंत्री परवेज खटक के भी एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री की यह यात्रा रूस में बहुपक्षीय युद्ध अभ्यास में हिस्सा लेने से भारत के पीछे हटने के कुछ दिन बाद हो रही है जिसमें चीनी और पाकिस्तानी सैनिकों के भी हिस्सा लेने की उम्मीद है। एससीओ बैठक के इतर सिंह और वेई के बीच द्विपक्षीय बैठक की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सूत्रों ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। सिंह ने ट्वीट किया कि मॉस्को के लिए रवाना हो रहा हूं। इस दौरे पर, मैं शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की एक बैठक, सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) की बैठक में हिस्सा लूंगा और द्वितीय विश्व युद्ध में विजय की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सीआईएस के सदस्यों से मुलाकात करूंगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह शोइगू के साथ साझा हितों पर चर्चा करेंगे। राजनाथ ने कहा कि भारत और रूस एक रणनीतिक साझेदार हैं। मैं इस यात्रा के दौरान इस साझेदारी को और आगे बढ़ाने को उत्साहित हूं। जून के बाद सिंह की यह दूसरी मास्को यात्रा होगी। उन्होंने 24 जून को मास्को में विजय दिवस परेड में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। विजय दिवस परेड का आयोजन द्वितीय विश्वयुद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत विजय की 75वीं वर्षगांठ पर किया गया था। स्ष्टह्र रक्षा मंत्रियों की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब चीन की सेना द्वारा पूर्वी लद्दाख में एकतरफा तरीके से पैंगोंग सो के दक्षिणी तट पर यथास्थिति बदलने के असफल प्रयास के मद्देनजर भारत और चीन के बीच ताजा तनाव उत्पन्न हो गया है। दोनों पक्षों ने 5 मई को शुरू हुए सीमा गतिरोध को समाप्त करने के लिए कई दौर की कूटनीतिक एवं सैन्य वार्ता की है। हालांकि चीन द्वारा पैंगोंग झील क्षेत्र में यथास्थिति में बदलाव करने के ताजा प्रयासों से तनाव और बढ़ गया है। रूस ने पहले ही कहा है कि भारत और चीन को सीमा विवाद वार्ता के जरिए हल करना चाहिए तथा दोनों देशों के बीच एक रचनात्मक संबंध क्षेत्र की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जून के बाद राजनाथ की यह दूसरी मास्को यात्रा होगी। उन्होंने 24 जून को मास्को में विजय दिवस परेड में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। विजय दिवस परेड का आयोजन द्वितीय विश्वयुद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत विजय की 75वीं वर्षगांठ पर किया गया था। रूस ने 10 सितंबर को स्ष्टह्र विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी आमंत्रित किया है। उम्मीद है कि रूसी रक्षा मंत्री शोइगू के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक में राजनाथ सिंह रक्षा अनुबंधों के तहत भारतीय सशस्त्र बलों को विभिन्न हथियारों और कलपूर्जों की जल्द आपूर्ति के लिए दबाव डालेंगे।

शिवसेना के पूर्व प्रदेश प्रमुख की गोली मारकर हत्या, हत्या का कारण रंजिश या लूट जांच में जुटी पुलिस

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर क्षेत्र में मंगलवार देर रात बदमाशों ने शिवसेना के पूर्व प्रदेश प्रमुख रमेश साहू की गोली मारकर हत्या कर दी। रमेश साहू उमरीखेड़ा में ऊं सांई राम ढाबा और रेस्टोरेंट चलाते थे और अपने परिवार के साथ यहीं पर रहते थे। परिजन हत्या के पीछे लूट की बात कह रहे हैं। वारदात की सूचना मिलते ही सीएसपी, एएसपी समेत आला अधिकारी सुबह मौके पर पहुंचे और जांच की। पुलिस रंजिश और लूट की आशंका के आधार पर जांच कर रही है। मृतक की पत्नी द्वारा पुलिस को दी जानकारी के अनुसार, 62 वर्षीय रमेश साहू बेटी और पत्नी के साथ ढाबे पर रहते थे। मंगलवार रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच उनके घर 3 युवक घुस आए। उनके हाथ में डंडे, पिस्टल व धारदार हत्थियार थे। उन्होंने रमेश की पत्नी को धमकाते हुए घर के सारे जेवर देने की बात कही। घर का सारा सामान तहस नहस कर दिया। इसी बीच गोली चलने की आवाज आई। वे भागकर दूसरे कमरे में देखने गई तो पता चला कि उनके पति खून से लथपथ पड़े हैं। वारदात के बाद लूटेरे भाग निकले। उन्होंने आनन फानन में ड्राइवर और नौकर की मदद से 108 नौकरों की मदद से साहू को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी गीता ने बताया कि उनके यहां से क्या सामान चोरी हुआ है वे देखकर ही बता पाएंगी। ढाबे पर सीसीटीवी कैमरे चालू नहीं थे। मृतक की पत्नी गीता ने बताया कि उनके यहां से क्या सामान चोरी हुआ है वे देखकर ही बता पाएंगी। ढाबे पर सीसीटीवी कैमरे चालू नहीं थे। देहात होने से दूर-दूर तक देहात होने से दूर-दूर तक सीसीटीवी नहीं लगे। वहीं मृतक रमेश साहू का तेजाजी नगर और सदर बाजार थाने में अपराधिक रिकॉर्ड है। रंजिश के मामले में भी पुलिस जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

8 घंटे तक कंधे पर शव ले 25 किलोमीटर पैदल चले ITBP जवान

नेशनल डेस्क। भारतीय सेना के जवान हमेशा ही देशवासियों की सुरक्षा और रक्षा के लिए तैयार रहते हैं। कहीं भी कोई मुसीबत में फंसा हो जवान उनकी मदद के लिए हमेशा पहुंच जाते हैं। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों ने मानवता की एक ऐसी ही मिसाल कायम की जिसकी लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। जवानों ने पिथौरागढ़ के एक स्थानीय निवासी के शव को आठ घंटे तक कंधों पर उठाकर 25 किलोमीटर दूर सड़क तक पहुंचाया। अग्रिम चौकी बुगदयार के पास सीमांत गांव स्युनी में एक स्थानीय 30 वर्षीय युवक की मौत के बाद शव पड़े होने की सूचना की 14वीं वाहिनी को मिली। सूचना मिलते ही के जवानों ने उस जगह पर पहुंच गए और शव को अपने कब्जे में ले लिया। तेज बारिश के कारण रास्ता बंद था और गाड़ी आ-जा नहीं सकती थी, जिसके बाद जवानों ने शव को कंधे पर रखकर मेन सड़क तक पहुंचाया। बताया जा रहा है कि मृतक युवक पोनी पोर्टर का काम करता था और पत्थरों की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। रास्ता बंद होने के कारण शव मुनस्यारी तक लाने में दिक्कत हो रही थी, इस पर मृतक के तीन बच्चों और पत्नी ने शव लाने के लिए से मदद मांगी थी। जवानों ने परिवार की परेशानी को समझते हुए स्यूनी से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुनस्यारी तक शव को स्ट्रेचर पर उठाकर पहुंचाया। 8 जवानों ने बारी-बारी से शव को कंधा दिया। द्धझ्ञक्च जवानों का यह वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है। वहीं लोग जवानों के इस काम की काफी सराहना कर रहे हैं और सलाम कर रहे हैं।

बेटी की शादी के लिए जोड़ी पाई-पाई बह गई बाढ़ में, अब सड़क पर बैठकर नोट सुखा रहा परिवार

नेशनल डेस्क। कई बार जिंदगी में ऐसा तूफान आ जात है जो एक ही पल में सब कुछ तहस नहस कर देता है। ऐसा ही कुछ हुआ महाराष्ट्र में एक मजदूर के साथ, जिनके हजारों रुपये बाढ़ में भीग गए। ये पैसा उन्होंने अपनी बेटी की शादी के लिए जोड़े थे जो एक झटके में बर्बाद हो गए। मजदूर ने अपना दुख जाहिर करते हुए बताया कि वह सालों से अपनी बेटी की शादी के लिए पैसे जोड़ रहे थे। अचानक आई बाढ़ में वह सब भीग गए, अब वह इसे सड़क पर सुखाने के मजबूर हैं। पैसों के अलावा शादी के लिए इकट्ठा किया गया सारा सामान भी बाढ़ के पानी में बह गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में देख सकते हैं कि किस तरह मजदूर का बेबस परिवार सड़क पर बैठकर नोटों को सुखा रहे हैं। बता दें कि मध्यप्रदेश में हुई भारी बारिश के कारण इससे लगे महाराष्ट्र के विदर्भ के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। विदर्भ के बाढ़ प्रभावित नागपुर, गढ़चिरौली, भंडारा और चंद्रपुर जिले के लगभग 175 गांवों के 53,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

दिल्ली मेट्रो की रक्षा करेगा यह तेज तर्रार डॉग, इसकी मदद से ओसामा बिन लादेन का हुआ था अंत

नेशनल डेस्क। दुनिया के सबसे खतरनाक और खूंखार आतंकवादी ओसामा बिन लादेन के खत्मे में अहम भूमिका निभाने वाले बेल्जियन मैलिनोइस नस्ल का कुत्ता अब भारत की राजधानी की भी सुरक्षा करेगा। दिल्ली की लाइफलाइन कहे जाने वाली मेट्रो की सुरक्षा को देखते हुए बेल्जियन मैलिनोइस नस्ल के कुत्ते को सीआईएसएफ के साथ यहां तैनात किया जा रहा है। मेट्रो की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही सीआईएसएफ की मेट्रो यूनिट के पास 61 कुत्ते हैं, जिन्हें विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाता है। लेकिन पहली बार ऐसा हो रहा है कि 'पोलो' नाम के इस तेज तर्रार डॉग को यात्रियों की सुरक्षा में लगाया जा रहा है। पोलो कोई साधारण कुत्ता नहीं है यह उसी नस्ल का है जिसने ओसामा बिन लादेन को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में अमेरिकी सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पोलो तीव्रता, हमला करने की कुशलता और सूंघने की क्षमताएं में दूसरों से बिलकुल अलग है। यह केवल ऐसा कुत्ता है, जो तीन कामों, सूंघने, हमला करने और रक्षा में सक्षम है जबकि, अन्य ब्रीड की बात करें तो वह केवल एक ही टास्क कर सकते हैं। पोलो लगभग 40 किलोमीटर चल सकता है, जबकि अन्य डॉग 4-7 किमी ही चल सकते हैं।

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा कोरोना बांटने वाला चीन, 3 साल में इस झील पर हुआ 4 बार आमना-सामना

लंदन। दुनिया को कोरोना वायरस बांटने वाला चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पूर्वी लद्दाख में भारतीय सैनिक उसकी हर हरकत का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। इस इलाके में गत 5 मई को दोनों देशों के जवानों के बीच हल्की धक्का-मुक्की हुई थी। उसके बाद से दोनों पक्ष वहां डटे हैं। पीछे हटने के लिए कई दौर की वार्ता हो चुकी है। मगर 29 और 30 अगस्त की रात चीनी सैनिकों ने यहां उकसावे की कार्रवाई की, जिसे चौकस भारतीय जवानों ने समय रहते विफल कर दिया। 15 जून को गलवान में हिंसक झड़प के बाद चीन की ओर से इसे दूसरी बड़ी उकसावे की कार्रवाई माना जा रहा है। मगर यह कार्रवाई उसे भारी पड़ती नजर आ रही है। पूरी दुनिया चीन की हरकतों की निंदा कर रही है। पंगौंग झील का इलाका काफी दुर्गम माना जाता है, ऐसे में भारतीय जवान पूरे साहस और मुश्तैदी से अपनी सरजमीं की रक्षा में दिन रात जुटे हैं। आइए समझते हैं इस विवाद को ... 1961 में चीनी सैनिकों ने सीमवर्ती क्षेत्र में घुसपैठ बढ़ा दी थी। तब नवंबर महीने में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, रक्षामंत्री कृष्णमेनन, सेना प्रमुख पीएन थापर और खुफिया अधिकारियों के साथ बैठक की और तय किया गया कि नेफा बार्डर से लद्दाख तक चौकियां बना दी जाएं और गश्त शुरू की जाए। इस पर तत्काल प्रभाव से काम शुरू हो गया। पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर बने खुर्नाक फोर्ट पर चीन का कब्जा था और वहां उसने सैन्य बेस बना लिया था। दक्षिण पश्चिम में थाकुंग और दक्षिण में चुसुल तक चीन ने सेना की मजबूत उपस्थिति बना ली थी। भारतीय सेना ने भी खुर्नाक के पास अपनी चौकी स्थापित करने का फैसला किया। यह झील चांग चेनमो पहाडिय़ों के उत्तर में थी। इन पहाडिय़ों में बीच में उभार थे, जिन्हें भारतीय सेना फिंगर कहती थी। इनमें से फिंगर एक से 8 तक उत्तरी किनारे पर थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'द गुजरात गुंडा एन्ड एन्टी सोशल एक्टिविटिज बिल' को कैबिनेट की मंजूरी

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 'द गुजरात गुंडा एन्टी सोशल एक्टिविटिज बिल' को मंजूरी प्रदान कर दी गई।

इस कानून के लागू होने के बाद गुंडागिरी करनेवाले क 10 वर्ष की सजा और 50000 रुपए जुर्माना लगेगा।

मामले के शीघ्र निपटारे के लिए विशेष अदालत का गठन किया जाएगा।

इस बिल को मंजूरी मिलने के बाद आगामी दिनों में अध्यादेश जारी किया जाएगा।

दरअसल गुजरात को आम नागरिकों के लिए पूर्णतः सुरक्षित बनाने और गुजरात में अपराध मुक्त सामाज के निर्माण के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने 'द गुजरात गुंडा एन्ड एन्टी सोशल एकिटविटीज़ (प्रिवेन्शन) एक्ट' पर अध्यादेश लाने का फैसला किया है। इस एक्ट के प्रावधानों के तहत राज्य की विकास यात्रा में अवरोध पैदा करने वाले, सार्वजनिक व्यवस्थाओं में विघ्न डालने वाले, हिंसा, बच्चों का यौन उत्पीडन, अपहरण, गैर कानूनी हथियार रखने वाले असामाजिक तत्वों और धमकी और ज़ोर–ज़बरदस्ती से नागरिकों का शोषण करने वाले की प्रवृत्तियों को सख्ती से निपटने के कई कड़े प्रावधान किए गए हैं। इतना ही नहीं इस नए अध्यादेश के अंतर्गत, शराब का व्यापार, नशे का व्यापार, अनैतिक व्यापार, मानव देह का व्यापार, जुआ, गायों का कत्लेआम, नकली दवाइयों बिक्री, ब्याजखोरी, अपहरण, ग़ैरकानूनी काम करना या ग़ैरकानूनी हथियार रखना जैसे कई आपराधिक गतिविधियों को गुजरात में पूरी तरह से समाप्त करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बहुत ही सख्त कानूनी प्रावधान किए हैं। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में सार्वजनिक शांति–सलामती और निरंतर विकास में रुकावट पैदा करने वाले आपराधिक तत्वों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में या तो उन्हें आपराधिक गतिविधि को छोड़ना होगा या फिर उन्हें गुजरात को ही छोड़कर जाना होगा। अगली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में गुंडों और सभी असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानून लाते हुए 'द गुजरात गुंडा एन्ड एन्टी सोशल एक्टिविटीज़ (प्रिवेन्शन) एक्ट' पर अध्यादेश लाने का निर्णय किया है।

पिता ने पबजी खेलने से रोका तो पुत्र ने आत्महत्या कर ली

आणंद जिले के सुरेली गांव के 16 वर्षीय किशोर ने जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने की वजह चौंकाने वाली है। किशोर को उसके पिता ने उसे पबजी गैम खेलने पर फटकार लगाई थी। जो किशोर को इतनी बुरी लगी कि उसने अपनी जान दे दी। जानकारी के मुताबिक आणंद जिले की उमरेठ तहसील के सुरेली गांव

में रहनेवाले 16 वर्षीय किशोर को पबजी गैम की लत लग गई थी और दिन भर उसी में व्यस्त रहता थाद्य किशोर के पिता ने उसे कई बार पबजी नहीं खेलने के बारे में समझाया था, लेकिन उस पर कोई असर नहीं हुआ।

पिता ने जब कड़ा रुख अपनाते हुए पुत्र को फटकार लगाई तो उसने जान देने की ठान लीद्य किशोर ने धान में डाले जानेवाली जहरीली दवाई पीकर स्युसाइड कर लीद्य उमरेठ पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान–युवा आत्महत्या को मजबूर : कांग्रेस

अहमदाबाद गुजरात कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से राज्य समेत देशभर में किसान और युवा आत्महत्या करने को मजबूर हैंद्य प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि देशभर में एक साल के भीतर 10281 किसान और खेत मजदूर आत्महत्या करने को मजबूर

हुए, यानी प्रति दिन भारत में 116 किसान व खेत मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं।

भाजपा सरकार की गलत नीति की वजह से 45 साल में सबसे ऊंचा बेरोजगारी दर है। जिसकी वजह से देश में एक साल में 10335 यानी प्रति दिन 38 युवा रोजगार नहीं मिलने से आत्महत्या कर रहे हैं। केन्द्र में भाजपा सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने और प्रति वर्ष 2 करोड़ रोजगार देने अर्थात पांच साल के भीतर 10 करोड़ रोजगार देने का वर्ष 2014 में देश की जनता से वादा किया था। लेकिन न तो किसानों की आय दोगुनी हुई और न ही युवाओं को रोजगार मिला। उल्टे देश में लाखों युवाओं की नौकरी चली गई।

उन्होंने गुजरात में प्रति दिन 22 नागरिक आत्महत्या को मजबूर होने के अधिकृत रिपोर्ट को लेकर सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में एक साल के भीतर 7655 नागरिकों ने आत्महत्या की हैद्य गुजरात में बेरोजगारी के कारण 219 युवा आत्महत्या को मजबूर हुए। गुजरात के चार प्रमुख शहर अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट में एक साल में 2192 नागरिकों ने आत्महत्या कर लीद्य किसान, कृषि और गांव की हालत अति विकट है।

गुजरात में 4.5 लाख शिक्षित बेरोजगार पंजीकृत है और 30 लाख से ज्यादा शिक्षित बेरोजगार जिनका कहीं नाम दर्ज नहीं है।

55 हजार से ज्यादा छोटे और मध्यम वर्ग उद्योग मृतप्राय हो चुके हैं। गुजरात के कई उद्योग आर्थिक बदहाली से जूझ रहे हैं। भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीति के कारण गुजरात के 58 लाख किसान कर्जदार हैं।

गुजरात में खेती और किसानों की संख्या लगातार घटती जा रही है और खेत मजदूरों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

बारिश से हुए फसल नुकसान पर एसडीआरएफ के आधार पर दी जाएगीकिसानों को सहायता : कृषि मंत्री

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक ने किसान हितकारी निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में हुई भारी बारिश के कारण जिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है उन्हें राज्य आपदा राहत निधि (एसडीआरएफ) के आधार पर सहायता वितरित की जाएगी। कृषि मंत्री श्री आर.सी. फलदु ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के इस निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आगामी 15 दिनों में नुकसान के सर्वे का काम पूरा कर लेने के आदेश भी संबंधित विभागों को मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

उन्होंने कहा कि विधायकों, सांसदों और अग्रणी नेताओं ने चालू वर्ष के खरीफ सीजन में फसलों को हुए नुकसान के मद्देनजर किसानों की सहायता का मुद्दा मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल के समक्ष उठाया था, जिस पर उन्होंने संवेदनशीलता के साथ सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। कृषि मंत्री ने राज्य मंत्रिमंडल के इस निर्णय की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि भारी वर्षा के कारण किसानों की फसलों को पहुंचे व्यापक नुकसान के संदर्भ में मंत्रिमंडल की बैठक में विस्तार से चर्चा–विचार के करने के बाद संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़े रहने की संवेदना के साथ मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने यह अहम निर्णय किया है। फलदु ने इस संदर्भ में कहा कि राज्य में जिन किसानों की फसलों को 33 फीसदी से अधिक नुकसान पहुंचा होगा, वैसे किसानों को यह सहायता वितरित की जाएगी। इसके सर्वे के आदेश भी दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिन खेतों में बरसात का पानी उतर गया है, उन खेतों में सर्वे का कार्य जारी है। यही नहीं, जिन खेतों में अभी भी पानी भरा हुआ है, वहां पानी उतरने के बाद सर्वे का काम शुरू कर दिया जाएगा। कृषि मंत्री ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की राज्य सरकार हमेशा किसानों के हितों के प्रति समर्पित रही है।

पहले भी जब प्राकृतिक आपदाएं आई थी, तब सरकार ने उदारतम आर्थिक सहायता पैकेज प्रदान कर आपदाग्रस्त किसानों के साथ खड़े रहने का दायित्व भलीभांति निभाया था। इतना ही नहीं, इस वर्ष भी इस व्यापक वर्षा से पैदा हुए हालात में किसानों की साथी बनकर सरकार ने यह किसान हितकारी निर्णय किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि किसानों को फसल नुकसान सहायता के मामले में गुमराह करने वाले तत्वों के दुष्प्रचार के बहकावे में किसान नहीं आएंगे। फलदु ने भरोसा जताया कि इस वर्ष मौसम की औसत लगभग 125 फीसदी से अधिक बारिश राज्य में हुई है।

इसलिए आगामी रवि और ग्रीष्मकालिन फसल में किसानों को खेतीबाड़ी के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी मिलेगा और बेहतर खेती से कृषि उत्पादन वृद्धि के माध्यम से किसान समृद्ध बनेंगे।

जुआ खेलते धरे गए हीरा दलाल और व्यापारी समेत, 82.45 लाख माल–सामान जब्त

सूरत शहर की महिधरपुरा पुलिस ने सुमूल डेयरी क्षेत्र की सरदारनगर सोसायटी के एक बंगले में देर रात रेड कर 9 शख्सों को जुआ खेलते रंगे हाथ धर लिया। पकड़े गए शख्सों में हीरा दलाल और व्यापारी भी शामिल है। पुलिस ने घटनास्थल से 5.85 लाख रुपए नकद समेत रु. 82.85 लाख का माल सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत की महिधरपुरा पुलिस को सूचना मिली थी कि सुमूल डेयरी क्षेत्र की सरदारनगर सोसायटी के एक बंगले में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर महिधरपुरा पुलिस ने देर रात सरदारनगर सोसायटी के बंगला नंबर 20 में रेड की। पुलिस को देख बंगले में जुआ खेल रहे शख्सों में भगदड़ मच गई।

पुलिस ने बंगले से मिहिर किशोर, विपुल किशोर पटेल, मनहर जयराम पटेल, जयदीप कमलेश ब्रह्मभट्ट, दिनेश गोरधन पटेल, अश्विन सुरेश पटेल, राकेश धीरूभाई भादाणी, जिग्नेश हरेन्द्र पटेल और मुकेश हिम्मत मालाणी को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए शख्सों में व्यापारी, जमीन और हीरा दलाल भी शामिल हैं। पुलिस ने घटनास्थल से रु. 5.85 लाख नकद, रु. 2.25 लाख कीमत के 11 मोबाइल, 7 फोर व्ही और टू व्हीलर समेत कुल रु. 82.85 लाख माल–सामान जब्त किया है।

कच्छ में 4.1 की तीव्रता का भूकंप का झटका

अहमदाबाद कच्छ में आज दोपहर 2.01 बजे भूकंप के झटका महसूस किया गया। 4.1 की तीव्रता के झटके से जमीन थर्राते ही लोग अपने घरों से बाहर की ओर दौड़ पड़े। गुजरात में 2001 के विनाशकारी भूकंप के बाद भूकंप के छोटे–मोटे झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। लेकिन 4.1 की तीव्रता के भूकंप के झटके से लोग कांप उठे। कच्छ जिले के भचाऊ समेत ग्रामीण इलाकों में 4.1 की तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। भूकंप का केन्द्र बिन्दू दुधई से 7 किलोमीटर दूर स्थित था। बुधवार दोपहर 2.01 बजे आए भूकंप के इस झटके ने कच्छवासियों को 2001 के विनाशकारी भूकंप की याद दिला दी।

वडोदरा के विधायक और राजकोट की पूर्व व वर्तमान महापौर कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद और सूरत के बाद वडोदरा व राजकोट में कोरोना केसों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस के कई नेता कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। वडोदरा से भाजपा के एक और विधायक को कोरोना हो गया है। वहीं राजकोट की पूर्व और वर्तमान महापौर की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वडोदरा में वाघोडिया से भाजपा विधायक मधु श्रीवास्तव की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें शहर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। मधु श्रीवास्तव के संपर्क में आए सभी लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। हाल ही में उनके पीए का कोरोना की वजह से मौत हो गई थी। वहीं राजकोट में राज्यसभा सांसद अभय भारद्वाज समेत उनका पूरा परिवार कोरोना संक्रमित है। अब राजकोट की पूर्व महापौर रक्षाबेन बोळिया और वर्तमान महापौर बीनाबेन आचार्य कोरोना की चपेट में आ गई है। रक्षाबेन की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया है। पिछले 7 दिन के दौरान उनके संपर्क में आए लोगों को होम कोरन्टाइन होने की अपील की गई है। राजकोट की वर्तमान महापौर बीनाबेन आचार्य के पति को दो दिन पहले कोरोना संक्रमित घोषित किया गया था। जिसके बाद बीनाबेन आचार्य सेल्फ कोरन्टाइन हो गई थीं। बीते दिन बीनाबेन आचार्य में कोरोना के लक्षण दिखने पर टेस्ट किया। आज बीनाबेन की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उनका उपचार शुरू किया गया है।

पांडेसरा जीआईडीसी की कलरटेक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड। गैस रिसाव पर मॉक ड्रिल आयोजित

अतिवृष्टि से कृषि फसलों को हुए नुकसान के सर्वे प्रक्रिया 15 दिन में पूर्ण की जाएगी : कृषि मंत्री

अहमदाबाद राज्य के कृषि मंत्री आरसी फलदु ने आज स्पष्ट किया है कि अतिवृष्टि से कृषि फसलों को हुए नुकसान के सर्वे प्रक्रिया 15 दिनों में पूर्ण कर ली जाएगी और जल्द ही किसानों के एसडीआरएफ के नियमों के मुताबिक किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में इस बार अच्छी बारिश हुई है, जिससे बोरवेल और कुएं भी पानी से छलक गए हैं।

हांलाकि भारी बारिश की वजह से खरीफ फसलों को भी व्यापक नुकसान हुआ है।

अच्छी बारिश होने से धरती रिचार्ज हो गई है और संग्रह किया गया पानी किसान ग्रीष्म फसलों में उपयोग कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि फिलहाल राज्य में बारिश का जोर घटने से किसान अपने खेतों में जा सकेंगे।

साथ ही सरकार की टीमें भी कृषि फसलों की सर्वे प्रक्रिया शुरू करेंगी। इस प्रक्रिया को अगले 15 दिनों के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा और जल्द ही किसानों को एसडीआरएफ के मापदंडों के मुताबिक 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ हो ऐसे किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

फलदु ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार किसानों के साथ खड़ी है, इसलिए वह किसी के बहकावे में नहीं आएं।

राज्य के 111 डैम 100 प्रतिशत भरे, नर्मदा बांध में 81 फीसदी पानी संग्रह

अहमदाबाद राज्य में मौसम की अब तक 121 प्रतिशत बारिश हो चुकी है और इससे 111 डैम 100 प्रतिशत पानी से लबालब हैं। जबकि राज्य की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 81 प्रतिशत पानी का संग्रह हुआ है। ऊपरी हिस्से में भारी बारिश और डैम से 11.30 लाख क्यूसेक पानी सरदार सरोवर बांध में आ रहा है। नर्मदा बांध में 81 प्रतिशत से अधिक पानी है और इसका जलस्तर 133 मीटर पर पहुंच गया है। डैम के 23 गेट 8.65 मीटर तक खोलकर 11.30 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। राज्य में अगस्त तक मौसम की 40.16 ईंच बारिश हो चुकी है जो 30 साल की 33.24 ईंच औसत की तुलना में 120.91 प्रतिशत है। इस साल कच्छ में सबसे अधिक 256 प्रतिशत बारिश हुई है। जबकि सौराष्ट में 163 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 103 प्रतिशत, उत्तरी गुजरात में

104 प्रतिशत और पूर्व मध्य गुजरात में 88.50 प्रतिशत बारिश हुई है। पिछले 30 साल में आठवीं दफा राज्यभर में 40 ईंच से अधिक औसत बारश हुई है। राज्य की 94 तहसीलें ऐसी हैं जहां 1000 मिमी से अधिक बारिश दर्ज हुई। 134 तहसीलों में 501 से 1000 मिमी, 23 तहसीलों में 251 से 500 मिमी बारिश रिकार्ड की गई।

राज्य के 205 जलाशयों में से 103 जलाशय 100 प्रतिशत पानी से लबालब हैं। राज्य की कुल 62 नदियां और 78 बड़े तालाब ऑवरफ्लो हुए है। भारी बारिश से प्रभावित 271 सड़कों को बंद किया गया है।

जिसमें 1 नेशनल हाईवे, 22 स्टेट हाईवे, पंचायत अधीन 223 और अन्य 25 शामिल हैं।

गुजरात में लगातार दूसरे दिन कोरोना के 1300 से अधिक केस दर्ज

अहमदाबाद गुजरात में सितंबर की शुरुआत से कोरोना का कहर बढ़ने लगा है।

राज्य में लगातार दूसरे दिन 1300 से अधिक केस सामने आए हैं।राज्य में आज और 12 लोगों की मौत के साथ कोरोना का मृतांक 3048 पर पहुंच गया है।

आज 1141 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 176, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 149, जामनगर कॉर्पोरेशन में 125, राजकोट कॉर्पोरेशन में 89, सूरत में 89, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 89, राजकोट में 54, वडोदरा में 36,

पंचमहल में 34, भावनगर कॉर्पोरेशन में 27, अमरेली में 26, जामनगर में 25, मेहसाणा में 24, भरुच में 23, भावनगर में 21,

गांधीनगर में 21, अहमदाबाद में 20, मोरबी में 20, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 19, बनासकांठा में 18, गांधीनगर में 17, कच्छ में 17, दाहोद में 15, गिर सोमनाथ में 15, वलसाड में 14, देवभूमि द्वारका में 13, बोटाद में 12, आणंद में 11, जूनागढ़ में 11, खेडा में 10, नर्मदा में 10, तापी में 10, छोटाउदेपुर में 9, नवसारी में 9, पाटन में 9, साबरकांठा में 9, अरवल्ली में 8, महीसागर में 8, सुरेन्द्रनगर में 7, डांग में 3 और पोरबंदर में 3 समेत कोरोना के कुल 1305 नए केस सामने आए हैं।

जबकि 1141 लोगों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। इस दौरान सूरत में 4, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में , सूरत कॉर्पोरेशन में 2, गांधीनगर में 1, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत 12 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 74523 समेत राज्य में अब तक 2484429 टेस्ट किए गए।

राज्य में अब तक कुल 99050 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं।

जिसमें 80054 लोग ठीक हो गए हैं और 3048 मरीजों की अब तक कोरोना से मौत हो चुकी है। शेष 15948 एक्टिव केसों में 15854 मरीजों की हालत स्थिर है और 94 मरीज वेन्टीलेट पर हैं।

आज की तारीख में राज्य के विभिन्न जिलों में 552772 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। 552334 होम कोरन्टाइन और 420 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना पॉजिटिव पाए गए काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में काम कर रहे 16 मजदूर

वाराणसी (एजेंसी)।

वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर में काम करने वाले 16 मजदूर कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। प्रशासन यहां काम करने वाले सैकड़ों मजदूरों का एंटीजन टेस्ट करवा रहा है। बुधवार को 200 मजदूरों का रैपिड एंटीजन टेस्ट का नतीजा सामने आया है, इसमें से 16 मजदूर कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। प्रशासन ने इन मजदूरों को क्वारनटीन सेंटर भेज दिया है।

प्रशासन ने मजदूरों और सुपरवाइजरों को एहतियात बरतने को कहा है। प्रशासन ने कहा है कि काम के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से पालन किया जाए और मजदूर बिना मास्क पहने काम न करें। बता दें कि वाराणसी में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ विभाग द्वारा जनपद में जगह जगह कैंप लगाकर बड़े पैमाने पर कोरोना की टेस्टिंग की जा रही है। बीते 29 अगस्त को सीएम योगी आदित्यनाथ जब वाराणसी पहुंचे थे इस दौरान भी उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का निरीक्षण किया था।

बता दें कि प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य कोरोना संक्रमण के दौरान लागू किए गए लॉकडाउन की वजह से बंद था। अनलॉक के बाद मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य जून में फिर से शुरू किया गया है। इस दौरान भी मजदूरों को सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया था। इस प्रोजेक्ट में लगभग 6 सौ मजदूर काम कर रहे हैं। जिनमें अब तक 200 मजदूरों का ही कोरोना टेस्ट किया गया है, बाकी मजदूरों की कैंप लगाकर जांच की जा रही है।

यूपी में शरारती लोगों ने तीन कुत्तों को जिंदा जलाया, पुलिस ने दर्ज की अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कुछ शरारती लोगों ने 3 कुत्तों को जलाकर मार डाला। यह मामला वायरल वीडियो से जानकारी में आया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

बताया जाता है कि लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क के पास कुछ शरारती तत्वों ने तीन कुत्तों को जलाकर मार दिया। जिनकी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसके बाद एक निजी गो–सेवा संस्था की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। गौरतलब है कि हाल में ही विभूतिखंड निवासी पूजा ढिल्लों का कुत्ते के बच्चे को सैंडल से मारते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। जिस पर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इस मामले में महिला को गिरफ्तारी के बाद जमानत पर रिहा किया गया था।

निजी संस्था गो सेवा संस्थान के संस्थापक विशाल मिश्रा के

मुताबिक सोशल मीडिया के माध्यम से उनको जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर 6 के सामने 3 कुत्तों को जलाकर मारने की घटना का पता चला था। जिस पर उन्होंने गोमती नगर विस्तार थाने में जाकर अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी।

लखनऊ ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस नीलाब्जा चौधरी के मुताबिक विशाल मिश्रा ने एक तहरीर दी है जिसमें तीन कुत्तों को जलाकर मार डालने की बात कही गई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत धारा 429 धारा 11 मुकदमा पंजीकृत कर लिया है मामले की छानबीन की जा रही है।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में हुक्का बार पर लगाई रोक

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रेस्टोरेंट, कैफे व अन्य स्थानों पर चल रहे हुक्का बार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंद करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकांत गुप्ता तथा न्यायमूर्ति शमीम अहमद की खंडपीठ ने लखनऊ विश्वविद्यालय के एलएलबी छात्र हरगोविंद पांडेय के पत्र पर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। हर दिन कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। हाईकोर्ट ने इसके फैलाव को रोकने के लिए मुख्य सचिव को रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है और टिप्पणी भी की है कि बिना लॉकडाउन के कोई मदद नहीं मिलने वाली। कोर्ट ने यह भी कहा कि लॉकडाउन और तमाम कड़े उपायों के बावजूद कोरोना जंगल की आग की तरह फैलता जा रहा है। यह मानव जीवन के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। हम घने अंधेरे में जंगल के बीच खड़े हैं।

कल क्या होगा, इसका पता नहीं है। यदि रेस्टोरेंट व कैफे में हुक्का बार पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो कोरोना सामुदायिक संक्रमण का रूप ले लेगा। इसे हेतु कोर्ट ने मुख्य सचिव से 30 सितंबर तक इस आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट मांगी है। महानिबंधक को आदेश की प्रति मुख्य सचिव व प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अनुपालन के लिए भेजने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने अधिवक्ता विनायक मित्तल को स्वतरू कायम जनहित याचिका पर पक्ष रखने के लिए न्यायमित्र नियुक्त किया है। बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय में लॉ की पढ़ाई करने वाले छात्र हरगोविंद दुबे ने हाईकोर्ट को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया था कि राज्य के लगभग हर जिले में काफी संख्या में हुक्का बार चल रहे हैं। हुक्का बार से कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से फैलने की आशंका है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद जेल से रिहा किए गए डॉ कफील, जताया अदालत का आभार

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के करीब 12 घंटे बाद डॉक्टर कफील खान को रिहा कर दिया गया। रिहाई के तुरंत बाद ही डॉक्टर कफील ने अदालत का शुक्रिया अदा किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने उन तमाम शुभचिंतकों का भी आभार जताया जिन्होंने उनकी रिहाई के लिए आवाज उठाई। डॉक्टर कफील खान का नाम पहली बार सुर्खियों में अगस्त 2017 में आया था, जब गोरखपुर स्थित बीआरडी मेडिकल कालेज में आक्सीजन की कमी से 63 बच्चों की मौत हो गई थी।

गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 10 अगस्त 2017 को ऑक्सिजन की कमी की वजह से 63 बच्चों की मौत हो गई थी। इस दौरान डॉक्टर कफील ने बाहर से ऑक्सीजन सिलेंडर मंगवाकर कई बच्चों की जान बचाई थी। जिसकी वजह से अखबारों और सोशल मीडिया ने उन्हें हीरो की तरह जनता के समक्ष पेश किया था। प्रशासन ने 22 अगस्त को ड्यूटी में लापरवाही बरतने और भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाकर डॉ कफील को निलंबित कर जेल भेज दिया था। नौ महीने जेल में बिताने के बाद डॉ कफील खान को जमानत मिल गई थी। हालांकि, डॉक्टर कफील ने इस घटना को षड्यंत्र करार दिया था।

इसके बाद दिसंबर 2019 में डॉ कफील खान फिर सुर्खी में आए जब उन्होंने सीएए विरोधी प्रदर्शन के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित किया। उस वक्त डॉक्टर कफील पर भड़काऊ भाषण देने

का आरोप लगा। इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद वह फरार हो गए थे। 29 जनवरी को यूपी एटीएस ने उन्हें मुंबई से गिरफ्तार किया।

10 फरवरी को अलीगढ़ की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने डॉक्टर कफील को जमानत दे दी और वह रिहा होने वाले थे। लेकिन इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने उन पर रासुका लगा दिया। जिसके बाद डॉक्टर कफील ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इस दौरान कोर्ट ने आदेश दिया कि हाई कोर्ट में पेंडिंग याचिका पर 15 दिनों के अंदर सुनवाई पूरी की जाए।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को रासुका के तहत कैद डॉक्टर कफील की हिरासत रद्द करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से रिहा करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर और न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल की पीठ ने कफील की मां नुजहत परवीन की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि फरवरी की शुरुआत में एक सक्षम अदालत द्वारा डॉक्टर कफील को जमानत दे दी गई थी।

और उन्हें जमानत पर रिहा किया जाना था, लेकिन उन्हें चार दिनों तक रिहा नहीं किया गया और बाद में उन पर रासुका लगा दिया गया।

यूपी में बाढ़ से अब तक 35 लोगों की गई जान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बाढ़ से अब तक 35 लोगों की मौतें हो चुकी है। सर्वाधिक मौतें बहराइच में 14 लोगों की हुई है। लखीमपुर खीरी में छह, बलरामपुर में चार, बाराबंकी व संत कबीरनगर में तीन–तीन और अंबेडकरनगर, आजमगढ़, बलिया, शाहजहांपुर व सीतापुर में एक–एक की मौतें हुई हैं।

राहत आयुक्त संजय गोयल ने बुधवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाने का निर्देश दिया है। दवा व वैक्सीन की उचित व्यवस्था करने को भी कहा गया है। प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि बाढ़ का पानी उतरने वाले गांवों में सफाई के साथ दवा का छिड़काव कराया जाए, जिससे संक्रामक रोगों की संभावना कम की जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। बाढ़ की स्थिति को लेकर लगातार समीक्षा की जा रही है। कहीं किसी प्रकार चिंताजनक स्थिति नहीं है। बाढ़ प्रभावित जिलों में सर्च व रेस्क्यू के लिए 27 टीमें और 242 नावें लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ और ओलावृष्टि की आपदा से निपटने व बचाव के लिए निर्देश दिए जा चुके हैं।

यूपी सरकार मुझे किसी अन्य मामले में फंसा सकती है–डा. कफील खान

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा जेल से रिहा होने के बाद डॉ. कफील खान ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार राज धर्म निभाने की बजाय बाल हठ कर रही है और वह उन्हें किसी अन्य मामले में फंसा सकती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत खान की गिरफ्तारी को मंगलवार को अवैध बताया और उनकी तत्काल रिहाई के आदेश दिए थे। अदालत के आदेश के बाद, खान को मंगलवार देर रात मधुरा की जेल से रिहा किया गया।

डॉ. कफील खान के वकील इरफान गाजी ने बताया कि मथुरा जेल प्रशासन ने रात करीब 11 बजे मुझे सूचित किया कि डॉ. कफील को मध्यरात्रि के आस–पास उनको रिहा किया गया। जेल से रिहा होने के बाद कफील खान ने अदालत का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मैं अपने उन सभी शुभचिंतकों का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा जिन्होंने मेरी रिहाई के लिए आवाज बुलंद की। प्रशासन रिहाई के लिए तैयार नहीं था लेकिन लोगों की दुआओं की वजह से मुझे रिहा किया गया।

उन्होंने कहा कि रामायण में, महर्षि वाल्मीकि ने कहा था कि राजा को राज धर्म के लिए काम करना चाहिए। उत्तर प्रदेश में 'राजा' राज धर्म नहीं निभा रहा बल्कि बाल हठ कर रहा है। डा. खान ने कहा कि उन्हें अंदेशा है कि सरकार उन्हें किसी दूसरे मामले में फंसा सकती है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें और उनके परिवार को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि राज्य सरकार बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन वाले मामले के कारण उनके पीछे पड़ी हुई है। उनहोंने कहा कि अब वह बिहार और असम में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करना चाहते हैं।

विदित हो कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर और न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह की पीठ ने खान की मां नुजहत परवीन की याचिका पर उनकी रिहाई का आदेश दिया। याचिका के अनुसार खान को सक्षम अदालत ने फरवरी में जमानत दी थी और उन्हें जमानत पर रिहा किया जाना था। उन्हें चार दिन तक रिहा नहीं किया गया और बाद में उनके खिलाफ रासुका लगाया गया।

याचिका में दलील दी गई कि इसलिए उनको हिरासत में रखना अवैध था। कफील संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ पिछले साल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में जनवरी से जेल में बंद थे।

गौरतलब है कि अगस्त 2017 में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में कथित रूप से ऑक्सीजन की कमी से बड़ी संख्या में मरीज बच्चों की मौत के मामले के बाद कफील चर्चा में आये थे।

वह आपात ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था कर बच्चों की जान बचाने वाले नायक के तौर पर सामने आए। बाद में उनपर और अस्पताल के नौ अन्य डॉक्टरों तथा स्टाफ सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अब ये सभी जमानत पर रिहा हैं।

राज्य सरकार की जांच ने खान को सभी बड़े आरोपों से मुक्त किया था जिसके बाद उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार से माफी मांगने को कहा। डॉक्टर ने आरोप लगाया कि संस्थागत विफलता के कारण बच्चों की मौत हुई।

बाद में उन्हें धमकियां मिलने लगीं, उनके खिलाफ मामले दर्ज होने के अलावा उनके परिवार पर भी हमला किया गया जिसे कफील ने राज्य सरकार की तरफ से राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया।

कुशीनगर पुलिस के हत्थे चढ़ा 15000 का इनामी अभियुक्त

कुशीनगर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के मुकदमे मे वांछित चल रहे 15,000 रुपये के पुरस्कार घोषित टाप–10 अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। कुशीनगर की यह घटना हाटा थाना क्षेत्र की है।

पुलिस अधीक्षक कुशीनगर विनोद कुमार मिश्र के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी कसया के नेतृत्व मे अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को थाना हाटा कोतवाली पुलिस टीम द्वारा गौरीबाजार मोड़ कस्बा हाटा के पास से स्थानीय थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 107/2020 धारा 3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट मे वांछित चल रहा पुरस्कार घोषित अभियुक्त दुर्गेश पासवान पुत्र लक्ष्मी उर्फ वंशी साकिन रामपुर सौहरौना थाना हाटा जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु 15,000 रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था । इस गिरफ्तारी में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार राय थाना हाटा जनपद कुशीनगर के साथ का0 विमलेश यादव व का0 चन्दन भारती शामिल रहे।

पशु क्रूरता अधिनियम में हुई कार्यवाही 02 गिरफ्तार

स्थानीय थाना की पुलिस ने 02 नफर अभियुक्तों में नितेश कुमार यादव पुत्र जीतन यादव साकिन बटलोहिया थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर व नन्दकिशोर कुमार पुत्र सतीशचन्द्र साकिन शाहपुर उचकी पट्टी थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर के कब्जे से एक अदद पिकप संख्या यूपी–57–टी–1536 पर 05 राशि गोवंशीय पशु बरामद कर मु0अ0सं0 359/2020 धारा 3/5ए/8 गोवंध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जूटी हुई है।

यूपी में कोरोना के 5716 नए मामले

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में संक्रमण के 5716 नए मामले दर्ज हुए हैं। वहीं एक्टिव केस की संख्या भी बढ़कर अब 56 हजार के पार पहुंच गई है।

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि बीते 24 घंटे में 5716 लोगों में कोविड–19 की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या अब दो लाख 41 हजार 439 हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में दो मार्च को कोरोना का पहला मामला आया था और दो सितंबर तक यानी कुल छह महीने में इस बीमारी की चपेट में आकर 3616 लोगों की मौत हुई है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि कुल संक्रमितों में से अभी तक एक लाख 81 हजार 364 मरीज इलाज के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। राज्य में फिलहाल कोरोना के 56 हजार 459 सक्रिय मामले हैं, जिनका अलग–अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुल एक्टिव केस में से 28 हजार 609 लोग होम आइसोलेशन में हैं। अभी तक कुल एक लाख आठ हजार 56 लोगों ने होम आइसोलेशन का विकल्प चुना है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्रदेश में एक लाख 36 हजार 240 सैंपल्स की जांच हुई। उत्तर प्रदेश में अब तक कुल 59 लाख 13 हजार 584 नमूनों की जांच हो चुकी है।

प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर की हत्या

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को दिनदहाड़े एक प्रॉपर्टी डीलर की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। मामला पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी सेक्टर 14 स्थित बरौली का है, जहां बदमाशों ने घर में घुसकर प्रॉपर्टी डीलर दुर्गेश यादव को गोली मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल दुर्गेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने केस से जुड़े एक आरोपी मनीष यादव को उसकी गाडी के साथ गिरफ्तार भी कर

लिया है।

दुर्गेश के साथ रहने वाले एक साथी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब आठ बजे एक ऑडी व एक स्कॉर्पियो कार में 7–8 लोग सवार होकर घर आए, जिसमें एक महिला पलक ठाकुर भी शामिल थी, जो गोमती नगर विस्तार में रहती है। उसके साथ मनीष यादव नाम का एक लड़का भी था। बताया जा रहा है मनीष साथ में अन्य लोग दुर्गेश के साथ ही प्रापर्टी डीलिंग का काम करता थे। वे सभी लोग सुबह घर में घुसे और दुर्गेश को तलाशने लगे। तभी पता चला कि दुर्गेश बाथरूम में है। इसपर बाथरूम का दरवाजा खटखटा कर दुर्गेश को बाहर निकाला गया। बाहर निकलते ही पहले दुर्गेश को बुरी तरह पीटा गया। सभी लोग घर के बाहर आए, जिसके बाद उसे गोली मार दी गई। मामले पर एसीपी कैंट बीनू सिंह ने बताया कि सुबह दो कार में सवार हो लोग दुर्गेश के घर आए थे। सभी ने अंदर बैठकर काफी देर तक बातचीत की। बाहर जाते समय किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

पुलिस को आशंका है कि रुपए के लेनदेन में ही विवाद हुआ है, जिसके बाद दुर्गेश को गोली मारी गई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बदमाशों की तलाश में जुट गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 68 लाख रुपये के लेन–देन की बात सामने आई है। वहीं मृतक दुर्गेश यादव गोरखपुर का हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ लूट, रंगदारी, धोखाधड़ी जैसे लखनऊ व गोरखपुर में आठ से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

दो साल पहले उसके खिलाफ हजरतगंज थाने में नौकरी के नाम पर ठगी का मुकदमा दर्ज हुआ था।

वहीं पकड़ा गया आरोपी मनीष यादव फर्रुखाबाद के शिकोहाबाद का रहने वाला है।

नाबालिग विदेशी लड़की के साथ रेप, पाकिस्तानी युवक गिरफ्तार

मथुरा (एजेंसी)। धार्मिक नगरी मथुरा में एक विदेशी किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है।

इस संबंध में पीड़िता के पिता द्वारा एक पाकिस्तानी युवक के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

यूक्रेन निवासी पीड़िता के पिता द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे के अनुसार 31 अगस्त को वह अपने गुरु के यहां गया था। इस दौरान उसकी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर पर अकेली थी। तभी रात 8.30 बजे करीब युवक घर पर आया और बेटी से जबरन दुष्कर्म किया। जब वह एक सितंबर को लौट कर आया तो पुत्री ने उसे अपने साथ हुई घटना के बारे में जानकारी दी।

अश्लील वीडियो बनाकर शारीरिक शोषण करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

हाथरस (एजेंसी)। एक युवती की अश्लील वीडियो क्लिप बनाकर व युवती को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती का शारीरिक शोषण कर रहे एक युवक को कोतवाली पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज होने के 4 घंटे के अंदर ही गिरतार कर जेल भेजा गया है। उक्त संबंध में आज कोतवाली सदर में आयोजित प्रेस वार्ता में कोतवाली प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि एक युवती की एक युवक द्वारा अश्लील वीडियो बना ली गई थी और आरोपी युवक द्वारा उक्त युवती को अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से पिछले 2 वर्षों से लगातार शारीरिक शोषण कर रहा था। जिसकी कल पीड़िता द्वारा कोतवाली में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मुकद्मा दर्ज कराया गया था और मुकद्मा दर्ज होने के बाद कोतवाली पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को 4 घंटे के अंदर उसके घर से गिरतार किया गया है।

कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक गोविन्द पुत्र राजू निवासी अशोका टॉकीज सीयल खेड़ा को गिरतार कर जेल भेजा है। वहीं उसके कब्जे से एक मोबाइल, एक पेन ड्राइव सैडिस्क 16 जीबी स्टील भी बरामद की है। जिसमें युवती की अश्लील वीडियो थी। उक्त आरोपी को गिरतार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी जगदीश चंद्र, एसआई प्रदीप कुमार, हेड कांस्टेबल कमरुद्दीन, सिपाही राजेश कुमार शामिल थे।